Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 179
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-मंगलवार ,28 अक्टूबर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 स्थानीय कलाकारों को मिले अधिक मौका

4 संतुलन, संयम और सक्रियता जयशंकर की पहचान

5 एक्ट्रेस तेजस्विनी लोनारी ने की गुपचुप सगाई

'कबीरधाम' के नाम से जाना जाएगा लखीमपुर खीरी का मुस्तफाबाद

पहले तो कब्रिस्तान की बाउंड्री में पैसा जाता था:सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। 'स्मृति महोत्सव मेला 2025' के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार अब धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले स्थलों के पुनरुद्धार पर धन खर्च कर रही है, जबकि पिछली सरकारें 'कब्रिस्तान' की चारदीवारी बनाने पर ही पैसा खर्च करती थीं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार लखीमपुर खीरी ज़िले के मुस्तफाबाद गाँव का नाम बदलकर 'कबीरधाम' करने का प्रस्ताव लाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बदलाव से संत कबीर से जुड़ी इस क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान फिर से स्थापित होगी। उन्होंने कहा कि नाम परिवर्तन उनकी सरकार द्वारा पूर्व शासकों द्वारा बदले गए स्थानों के नामों को पुनर्स्थापित करने के पहले के फैसलों के अनुरूप है। 'स्मृति महोत्सव मेला 2025' के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार अब धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले स्थलों के पुनरुद्धार पर धन खर्च कर रही है, जबकि पिछली सरकारें 'कब्रिस्तान' की चारदीवारी बनाने पर ही पैसा खर्च करती थीं। विपक्ष पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता के नाम पर किसी स्थान की पहचान बदलना पाखंड है और कहा कि धर्मनिरपेक्षता के बहाने विरासत को मिटाने का युग समाप्त हो गया है। इस कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि गांव का नाम मुस्तफाबाद रखा गया है, जबकि वहां कोई मुस्लिम आबादी नहीं है। उन्होंने श्रोताओं से कहा कि जब मैं यहाँ आया तो मैंने इस गाँव के बारे में पूछा, तो मुझे बताया गया कि इसका नाम मुस्तफाबाद है। मैंने पूछा कि यहाँ कितने मुसलमान रहते हैं, तो मुझे बताया गया कि एक भी नहीं है। फिर मैंने कहा कि इसका नाम बदल देना चाहिए। इसे कबीरधाम कहना चाहिए। उन्होंने कहा हम प्रस्ताव लाएँगे और इसे आगे बढ़ाएँगे। यह संत कबीर की विरासत से जुड़े इस स्थान के सम्मान को बहाल करने के बारे में है। आदित्यनाथ ने इसकी तुलना हाल के वर्षों में अपनी सरकार द्वारा की गई नाम परिवर्तन पहलों से की। उन्होंने कहा कि पहले जो लोग शासन करते थे, उन्होंने अयोध्या का नाम बदलकर फैजाबाद, प्रयागराज का नाम बदलकर इलाहाबाद और कबीरधाम का नाम बदलकर मुस्तफाबाद कर दिया था। हमारी सरकार इसे उलट रही है - अयोध्या को पुनर्स्थापित कर रही है, प्रयागराज को पुनर्स्थापित कर रही है, और अब कबीरधाम को उसके सही नाम पर पुनर्जीवित कर रही है।

नरेंद्र नगर पहुंचे पहुंचे सीएम धामी, सिद्धपीठ कुंजापुरी पर्यटन विकास मेले का किया शुभारंभ

टिहरी (एजेंसी)।। सीएम ने कहा कि मेले का उद्देश्य लोग संस्कृति लोक आस्था विरासत को संजय रखना एवं विकास को आगे बढ़ता रहना है। सीएम पुष्कर सिंह धामी आज टिहरी के नरेंद्र नगर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सिद्धपीठ कुंजापुरी पर्यटन विकास मेले का शुभारंभ किया। सीएम ने कहा कि मेला केवल आयोजन मात्रा नहीं है इसका उद्देश्य लोक, संस्कृति लोक आस्था और विरासत को संजोय रखना और विकास को आगे बढ़ता रहना है। सीएम ने प्रदेश सरकार की यूसीसी, नकल विरोधी कानून, लैंड जिहाद सहित अनेक योजनाओं के बारे में बताया। सीएम ने 49 वें सिद्ध पीठ कुंजापुरी पर्यटन एवं विकास मेले को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि एक जनपद दो उत्पाद प्रदेश सरकार के विकास नीति का एक पहलू है। उन्होंने मेलों में स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने की अपील की श्री धामी ने कहा कि पिछले 4 वर्षों में प्रदेश सरकार द्वारा 26000 युवाओं को रोजगार दिया गया।

ऑस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ियों के साथ छेड़छाड़ मामले में जीतू पटवारी ने कैलाश विजयवर्गीय की निंदा की

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में हिस्सा लेने आई ऑस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ियों के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा दिए गए बयान की कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने निंदा की और इसे शर्मनाक भी करार दिया है। दरअसल, पिछले दिनों इंदौर में ऑस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ी के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई थी। इस मामले में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सलाह देने वाले अंदाज में कहा कि खिलाड़ी जब भी बाहर जाएं तो उन्हें प्रशासन को अवगत कराना चाहिए। मंत्री विजयवर्गीय के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि इंदौर में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर्स से छेड़छाड़ की शर्मनाक घटना के बाद भाजपा के मंत्री का बयान पूरे मध्य प्रदेश के लिए शर्म की बात है। बेटियों की सुरक्षा पर सवाल उठे हैं और मंत्री सलाह दे रहे हैं कि बाहर जाने से पहले प्रशासन को बताएं।

महाराष्ट्र में भाजपा बैसाखियों पर नहीं, बल्कि अपने बल पर चलती है:शाह

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा को बैसाखियों की जरूरत नहीं है और वह अपने बल पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का सफाया सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस दौरान कार्यकताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि जनसंघ की स्थापना के बाद से हमने हमेशा संगठन की अवधारणा के आधार पर अपनी पार्टी के कामकाज को स्वीकार किया है। हमने हमेशा सिद्धांतों के आधार पर अपनी नीतियां बनाई हैं। हमने देश और इसके लोगों के सर्वोत्तम हित में सबसे कठिन लड़ाई लड़ी है। परिवार द्वारा संचालित पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी- शाह दक्षिण मुंबई में चर्चगेट स्टेशन के पास महाराष्ट्र भाजपा के नए कार्यालय

भवन की आधारशिला रखने के बाद पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, हमने साबित कर दिया है कि परिवार द्वारा संचालित पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी। काम की राजनीति ही देश को आगे ले जाएगी। मोदी जी इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। एक साधारण चायवाले के घर में जन्मा एक बच्चा अपने समर्पण, त्याग और कड़ी मेहनत से भारत का प्रधानमंत्री बना। शाह ने निकाय चुनावों में जीत दिलाने की अपील की अमित शाह ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा बैसाखियों पर नहीं, बल्कि अपने बल पर चलती है। केंद्र और राज्य में भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि पार्टी को इस साल के अंत में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव भी जीतने चाहिए। इतनी मेहनत करो कि विपक्ष का सफाया हो जाए। वे दूरबीन से भी नजर न आएं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि जो पार्टी अपने कामकाज में लोकतंत्र को कायम नहीं रख सकती, वह देश के लोकतंत्र की रक्षा कभी नहीं कर सकती। यह सभी वंशवादी पार्टियों के लिए एक कड़ा संदेश है। शाह ने कहा कि भाजपा के लिए पार्टी कार्यालय एक मंदिर की तरह है। उन्होंने कहा, यहीं से पार्टी के कार्यक्रमों और नीतियों की कल्पना की जाती है और यह पार्टी कार्यकताओं के लिए एक व्यावहारिक प्रशिक्षण स्थल है। शाह ने कहा कि जनसंघ के दिनों से ही विचारधारा से प्रेरित राजनीति और जन कल्याण भाजपा की पहचान रही है। 1980 में जब भाजपा का गठन हुआ था, तब से 18 वर्षों तक देश का नेतृत्व भाजपा नेताओं ने किया है और यह गर्व की बात है। शाह ने पार्टी की सफलता का श्रेय नेताओं और कार्यकताओं की कड़ी मेहनत, त्याग और प्रतिबद्धता को दिया। उन्होंने कहा, उनके द्वारा बोए गए बीजों की वजह से ही भाजपा एक वटवृक्ष बन पाई है।

बीएसएफ ने जम्मू के आरएस पुरा से 5 .3 किलो हेरोइन के दो पैकेट किए बरामद

जम्मू (एजेंसी)। एक बड़े तस्करी-विरोधी अभियान में, सतर्क बीएसएफ जवानों ने 27 अक्टूबर की सुबह आरएस पुरा, जम्मू के सीमा से सटे क्षेत्र से 5.3 किलोग्राम से अधिक हेरोइन सफलतापूर्वक बरामद की। सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर, बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा भारतीय क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के एक और प्रयास को विफल कर दिया। 26 अक्टूबर को, बीएसएफ खुफिया विभाग से प्राप्त विशिष्ट जानकारी के आधार पर, एक विशेष अभियान की योजना बनाई गई और जम्मू जिले के आरएस पुरा के सीमा से सटे क्षेत्र में एक विशेष घात लगाया गया था। फिर 27 अक्टूबर की सुबह बिदीपुर गांव के पास शुरू किए गए एक तलाशी अभियान के दौरान, आरएस पुरा, जम्मू में सतर्क बीएसएफ कर्मियों ने लगभग 5.300 किलोग्राम वजन के दो पीले रंग के पैकेट (जिनमें 10 छोटे पैकेट लिपटे हुए थे) बरामद किए। संदिग्ध प्रतिबंधित पदार्थ जम्मू के आरएस पुरा स्थित बिदीपुर गांव के पास खेत से बरामद किया गया।

हालात कभी भी बदल सकते हैं:राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत को हमेशा युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि सीमाओं पर हालात कभी भी बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि मई में पाकिस्तान के साथ हुए चार दिन के सैन्य संघर्ष ने यह साबित कर दिया कि किसी भी समय अप्रत्याशित स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इस दौरान भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया था। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के लिए एक केस स्टडी है, जिससे देश को भविष्य की सुरक्षा रणनीतियों की दिशा तय करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में स्वदेशी सैन्य उपकरणों का प्रभावी इस्तेमाल हुआ, जिससे भारत की प्रतिष्ठा

क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत हुई। उन्होंने कहा कि हमने दृढ़ संकल्प और सटीक जवाब दिया, लेकिन हमें आत्मनिरीक्षण जारी रखना होगा। सीमाओं पर कभी भी कुछ भी हो सकता है, इसलिए हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना जरूरी है। स्वदेशी रक्षा क्षमता पर बल रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण ही सुरक्षा की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि विश्व व्यवस्था कमजोर हो रही है और कई क्षेत्रों में संघर्ष बढ़ रहा है, ऐसे में भारत को अपनी सुरक्षा रणनीति नए सिरे से परिभाषित करनी होगी। उन्होंने बताया कि आकाश मिसाइल सिस्टम, ब्रह्मोस मिसाइल, आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम और अन्य स्वदेशी प्लेटफॉर्म्स की क्षमता को ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने देखा। रक्षा उद्योग के योगदान की सराहना राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन की सफलता का श्रेय न केवल भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना को जाता है।

तेज रफ्तार कार ने मालवाहक वाहन को मारी टक्कर, 1 व्यक्ति की मौत, 7 लोग गंभीर रूप से घायल

बेमेतरा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा शहर में तेज रफ्तार एसयूवी ने एक मालवाहक गाड़ी को टक्कर मार दी जिससे एक आदमी की मौत हो गई और सात अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा रविवार रात सिटी कोतवाली पुलिस थाना इलाके के सिंघौरी वार्ड में हुआ। उन्होंने बताया कि बोरिया-बगोद गांव के करीब 17 लोग बेमेतरा के पास बैजलपुर गांव में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मालवाहक वाहन में सवार होकर लौट रहे थे।

सात नए इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोजेक्ट्स को सरकार की मंजूरी

पांच हजार से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एउटर) के तहत सात नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि सरकार को इस योजना के तहत कुल 249 प्रस्ताव मिले थे, जिनमें से प्रारंभिक चरण में 7 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है। इन प्रोजेक्ट्स में प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (ढउइ) यानी मदरबोर्ड बेस, कैमरा मॉड्यूल, कॉपर लैमिनेट और पॉलीप्रोपाइलीन फिल्म्स (जो कैपेसिटर और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग होती हैं) के निर्माण से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। पांच हजार से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सचिव एस कृष्णन ने बताया कि इन सात प्रोजेक्ट्स में कुल ?5,532 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इससे लगभग 5,195 लोगों को

प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब तक ?1.15 लाख करोड़ मूल्य के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं, जो देश में बढ़ती इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षमताओं का संकेत है। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम सरकार की यह पहल 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को और बल देगी। इस योजना के तहत देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स का घरेलू उत्पादन बढ़ाने, आयात पर निर्भरता घटाने, और भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया जा रहा है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन हब बनता जा रहा है।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-मंगलवार ,28 अक्टूबर 2025

रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा दिलाते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

गोरखपुर: केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देषानुसार पूर्वोत्तर रेलवे पर 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर, 2025 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के अन्तर्गत 27 अक्टूबर, 2025 को महाप्रबन्धक कार्यालय परिसर, गोरखपुर में रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा दिलाई। महाप्रबन्धक श्री उदय बोरवणकर ने रेल कर्मियों को संदेष देते हुए कहा कि मेरा विष्वास है कि हमारे देष की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है। मेरा विष्वास है कि भ्रष्टाचार उन्मूलन करने के लिये सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिलकर कार्य करने की आवष्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को सर्तक होना चाहिये तथा उसे सदैव ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्व होना चाहिये और भ्रष्टाचार के विरूद्व संघर्ष में साथ देना चाहिये। महाप्रबन्धक ने रेल कर्मियों को जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करने, न तो रिष्वत लेने और न ही रिष्वत देने, सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्षी रीति से करने, जनहित में कार्य करने, अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करने, भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की रिपोर्ट उचित एजेन्सी को देने की शपथ दिलाई। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मंडलों एवं कार्यालयों में रेल कर्मियों को दिलायी गयी। इसी क्रम में अपराह्न में बहुविषयक पद्धति प्रषिक्षण केन्द्र, गोरखपुर में रेल कर्मचारियों के लिये सतर्कता क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा छठ महापर्व पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से देश के महानगरों एवं प्रमुख नगरों के लिये 117 पूजा विशेष ट्रेनें 1,551 फेरों में चलाई जा रही हैं। इसके अतिरिक्त 82 पूजा विशेष ट्रेनें पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर देश के प्रमुख नगरों के लिये 1,362 फेरों में चलाई जा रही हैं। इस प्रकार, पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों से/होकर 199 पूजा विशेष ट्रेनें 2,913 फेरों में चलाई जा रही हैं। इन पूजा विशेष ट्रेनों के माध्यम से छठ महापर्व में यात्रियों की यात्रा सुगम हो रही है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के अनुरूप रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। 28 अक्टूबर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली पूजा विशेष गाड़ियाँ निम्नवत हैं।

-28 अक्टूबर, 2025 को 04824 मऊ-जोधपुर पूजा विशेष गाड़ी मऊ से 04.00 बजे प्रस्थान कर आजमगढ़, अयोध्या धाम जं., कानपुर सेंट्रल, कन्नौज, मथुरा जं. होते हुये चलाई जायेगी।

-28 अक्टूबर, 2025 को 05062 टनकपुर-अछनेरा पूजा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.35 बजे प्रस्थान कर पीलीभीत, इज्जतनगर, कासगंज, मथुरा जं. होते हुये चलाई जायेगी।

-28 अक्टूबर, 2025 को 01454 गाजीपुर सिटी-हडपसर (पुणे) पूजा विशेष गाड़ी गाजीपुर सिटी से 05.00 बजे प्रस्थान कर औंड़िहार, जौनपुर, वाराणसी जं. होते हुये चलाई जायेगी।

-28 अक्टूबर, 2025 को 05131 गोरखपुर-बहराइच पूजा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 05.25 बजे प्रस्थान कर आनन्दनगर, बढ़नी, गोंडा होते हुये चलाई जायेगी। -28 अक्टूबर, 2025 को 01124 मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी मऊ से 07.35 बजे प्रस्थान कर औंड़िहार, वाराणसी जं., सूबेदारगंज, गोविन्दपुरी होते हुये चलाई जायेगी। -28 अक्टूबर, 2025 को 05047 बनारस-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी बनारस से 10.45 बजे प्रस्थान कर औंड़िहार, गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा होते हुये चलाई जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

सांप के डसने से महिला गंभीर

दुबौलिया। थाना क्षेत्र के धरमूपुर गांव में 55 वर्षीय महिला कुसुम राजभर (पत्नी मोती राज) को सांप ने डस लिया। इससे उसकी हालत गंभीर बनी है। घटना तब हुई जब वह सुबह छत की सफाई कर रही थी। महिला ने इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजन उसे सीएचसी कप्तानगंज ले गए। जहां चिकित्सकों ने महिला की गंभीर स्थिति देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

एडूलीडर्स अवॉर्ड से सम्मानित हुए बस्ती के तीन शिक्षक

बस्ती। लखनऊ स्थित नेडा प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित विकसित उत्तर प्रदेश-विकसित भारत @2047 विषयक शिक्षक संगोष्ठी एवं एडूलीडर्स सम्मान 2025 में बस्ती के तीन शिक्षकों को एडूलीडर्स अवॉर्ड मिला। मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग मुकेश मेश्राम, पूर्व शिक्षा निदेशक डॉ. सर्वेंद्र विक्रम बहादुर सिंह और सेवानिवृत्त आईएएस डीएन लाल रहे। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 75 जनपदों से चयनित 164 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया। बस्ती से राजकीय इंटर कॉलेज गोटवा के प्रवक्ता शैलेश पटवा, पीएमश्री स्कूल बनकटी के शिक्षक बृजेश गुप्ता तथा सल्टौवा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय परसाखाल के शिक्षक विनय पांडेय को प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने स्मृति चिह्न और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। दूसरे सत्र में अंतरराष्ट्रीय अयोध्या शोध संस्थान के सलाहकार डॉ. आशुतोष द्विवेदी ने एडूलीडर्स की सराहना की। कहा कि संस्था ने अयोध्या शोध संस्थान के सहयोग से सभी जिलों में रामायण आधारित कार्यशालाओं के माध्यम से संस्कारयुक्त शिक्षा के प्रसार का सराहनीय प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ. सर्वेष्ट मिश्र के संपादित शिक्षा के दीप स्तंभ पुस्तक का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक 55 शिक्षकों की सफलता की कहानियों और उनके नवाचारों पर आधारित है। डॉ. सर्वेष्ट ने बताया कि एडूलीडर्स प्रतिदिन शिक्षकों के लिए शिक्षण सामग्री तैयार कर प्रदेश के लगभग डेढ़ लाख शिक्षकों तक पहुंचाता है। इससे शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्वेता सोमवंशी और रोहित प्रताप सिंह ने किया। विनीत पवार ने तकनीकी संचालन की जिम्मेदारी संभाली।

मुंडेरवा के लोहदर में छठ पूजा की तैयारी

मुंडेरवा। नगर पंचायत के लोहदर पोखरे पर छठ पूजा की तैयारी में नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह टीकू और प्रतिनिधि अजय सिंह ने सफाई कर्मचारियों के साथ घाट की सफाई की। रविवार से घाट पर लाइट और बैठने की व्यवस्था नगर पंचायत की तरफ से की गई। पंडित नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि तीन दिवसीय छठ पूजा ही ऐसी पूजा है जिसमें श्रद्धालु डूबते सूरज की अर्चना करते हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार को श्रद्धालु डूबते सूर्य को अर्घ्य देंगे और मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देंगे।

श्रमिक 15 नवंबर तक करा लें नवीनीकरण

बस्ती। निर्माण श्रमिकों के पंजीयन नवीनीकरण (रिन्यूवल) की अंतिम तिथि 15 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। श्रम परिवर्तन अधिकारी नागेंद्र मणि त्रिपाठी ने पंजीकृत निर्माण श्रमिबकों से अपनी सदस्यता समय से नवीनीकृत कराने के लिए कहा है, जिससे बोर्ड की योजनाओं का लाभ मिलता रहे। नवीनीकरण न कराने पर श्रमिकों का पंजीयन निष्क्रिय सूची में डाल दिया जाएगा। इससे उन्हें किसी भी कल्याणकारी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। श्रमिक पंजीयन का नवीनीकरण या निकटवर्ती जनसुविधा केंद्र के माध्यम से भी करा सकते हैं।

बहू-बेटी सम्मेलन में मिशन शक्ति का दिया संदेश

बस्ती। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक डॉ. शालिनी सिंह के नेतृत्व में रविवार को थाना कोतवाली क्षेत्र के परसोहिया में बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गांव की आशा बहुएं, समूह सखियां, महिला चौकीदार समेत लगभग 165 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत गांव की महिलाओं से संवाद के साथ हुई। टीम ने घर-घर जाकर महिलाओं की समस्याएं सुनीं, उन्हें सरकारी योजनाओं और उनके अधिकारों की जानकारी दी। बाद में सभी को एकत्र कर सम्मेलन आयोजित किया गया। यहां महिलाओं और बालिकाओं को मिशन शक्ति 5.0 के तहत संचालित सरकारी योजनाओं और महिला सुरक्षा के उपायों के बारे में बताया गया।

मिशन शक्ति के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजितश

बस्ती। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों की मिशन शक्ति टीमों की तरफ से महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विद्यालयों व ग्राम सभाओं में कार्यक्रम आयोजित किए गए। थाना कोतवाली की टीम ने अमहट घाट क्षेत्र में भ्रमणशील होकर महिलाओं व बालिकाओं को मिशन शक्ति, साइबर अपराध व हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। लालगंज थाने में ग्राम बाघापार में बहु-बेटी सम्मेलन आयोजित कर महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों से अवगत कराया गया। परशुरामपुर पुलिस टीम ने ग्राम नागपुर कुंवर में चौपाल लगाकर मिशन शक्ति और साइबर अपराध से बचाव के उपाय बताए। पुरानी बस्ती टीम ने ग्राम चाईपुरवा में बहु-बेटी सम्मेलन किया।

67 गो आश्रय स्थलों में ठंड से बचाव पर खर्च होंगे 12 लाख

बस्ती। जिले में संचालित 67 गो आश्रय स्थलों पर 12.38 लाख खर्च कर संरक्षित पशुओं के लिए ठंड से बचाव के कार्य कराए जाएंगे। घेरबाड़ यानी तिरपाल समेत बिछावन बदला जाएगा। इसके लिए शासन ने दिशा-निर्देश जारी कर दिया है। ठंड के मौसम में गोआश्रय केंद्र में संरक्षित गोवंशों को बचाने की कवायद तेज हो गई। सभी आश्रय केंद्रों और कान्हा गोशाला के बाहरी भाग में तिरपाल लगाकर बफीर्ली हवाओं को रोका जाएगा। इतना ही नहीं, संरक्षित गोवंशों को काऊ कोट पहनाने की व्यवस्था भी की जाएगी। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने सभी आश्रय केंद्रों के नामित पंचायत सचिव को आश्रय केंद्र पर ठंड से बचाव की समुचित व्यवस्था के साथ ही हरे चारे का प्रबंध करते हुए गोवंशों का पोषण करने के निर्देश दिए हैं। जिले में पांच वृहद गोआश्रय केंद्र के साथ ही छह कांजी हाउस व 55 अस्थायी गोआश्रय केंद्र और तीन कान्हा गोशाला संचालित हैं। इन आश्रय केंद्रों में 4403 गोवंश संरक्षित हैं, तो 447 गोवंश योजना के तहत पालकों की सुपुर्दगी में दिए गए हैं। ठंड के मौसम में संरक्षित गोवंशों को सुरक्षित करने के लिए पशुपालन विभाग सभी आश्रय केंद्रों पर तिरपाल, काऊ कोट, हरा चारा, पानी व बिजली की व्यवस्था में जुटा है। ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव व केयरटेकर को आश्रय केंद्र पर संरक्षित गोवंशों को ठंड से बचाव के लिए व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। पशु चिकित्सकों को नियमित आश्रय केंद्र जाकर गोवंशों के स्वास्थ्य का परीक्षण करने को कहा गया है। सीवीओ ने आश्रय केंद्रों पर व्यवस्थाओं की जांच के लिए नामित नोडल अफसरों को पत्र जारी किया है। सीवीओ डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने आश्रय केंद्र का स्थलीय निरीक्षण कर संरक्षित गोवंश, तिरपाल, हरा चारा, भूसा, पानी व बिजली व्यवस्था के साथ ठंड से बचाव के अन्य उपायों की रिपोर्ट देने के लिए कहा है।

एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 17 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, : छठ पर्व के पश्चात यात्रियों की वापसी यात्रा हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा 05071/05072 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा वाया गोरखपुर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 28 अक्टूबर, 2025 को तथा आनन्द विहार टर्मिनस से 29 अक्टूबर, 2025 को 01 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05071 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 28 अक्टूबर, 2025 को छपरा से 15.00 बजे प्रस्थान कर मशरख से 16.02 बजे, दिघवा दुबौली से 16.24 बजे, थावे से 17.55 बजे, पडरौना से 19.22 बजे, रामकोला से 19.44 बजे, कप्तानगंज से 20.15 बजे, गोरखपुर से 21.25 बजे, खलीलाबाद से 22.05 बजे, बस्ती से 22.47 बजे, गोंडा से 23.55 बजे दूसरे दिन बुढ़वल से 01.32 बजे, सीतापुर से 03.20 बजे, शाहजहाँपुर से 04.52 बजे, बरेली से 06.15 बजे तथा मुरादाबाद से 07.55 बजे तथा गाजियाबाद से 10.15 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनस 10.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05072 आनन्द विहार टर्मिनल-छपरा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 29 अक्टूबर, 2025 को आनन्द विहार टर्मिनल से 13.00 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 13.32 बजे, मुरादाबाद से 16.00 बजे, बरेली से 17.47 बजे, शाहजहाँपुर से 19.10 बजे, सीतापुर से 20.50 बजे, बुढ़वल से 22.32 बजे दूसरे दिन गोंडा से 00.10 बजे, बस्ती से 01.22 बजे, खलीलाबाद से 01.57 बजे, गोरखपुर से 02.40 बजे, कप्तानगंज से 03.45 बजे, रामकोला से 04.12 बजे, पडरौना से 04.34 बजे, थावे से 06.30 बजे, दिघवा दुबौली से 07.30 बजे तथा मशरख से 07.52 बजे छूटकर छपरा 09.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में सामान्य द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 15 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 17 अनारक्षित कोच लगाये जायेंगे।

2025 तक के लिये 27 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा छठ त्यौहार पर यात्रियों की सुविधा हेतु अनेक विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में 10 नवम्बर, 2025 तक के लिये 27 अक्टूबर, 2025 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-छपरा से चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 07 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 181 बर्थ उपलब्ध है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05060 लालकुआँ-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 06 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 27 बर्थ एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 25 बर्थ उपलब्ध है।

-छपरा से चलने वाली 04607 छपरा-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 10 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 368 बर्थ उपलब्ध है।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट पूजा विशेष गाड़ी में 06 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 81 बर्थ, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 262 बर्थ, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 28 बर्थ उपलब्ध है।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर पूजा विशेष गाड़ी में 05 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 47 बर्थ उपलब्ध है।

-बनारस से चलने वाली 05047 बनारस-कोलकाता पूजा विशेष गाड़ी में 04 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 992 बर्थ उपलब्ध है।

-गोरखपुर से चलने वाली 03528 गोरखपुर-आसनसोल पूजा विशेष गाड़ी में 01 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 62, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 241 बर्थ तथा 08 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 75, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 341 एवं शयनयान श्रेणी में 362 बर्थ उपलब्ध है।

- गोरखपुर से चलने वाली 03678 गोरखपुर-धनबाद पूजा विशेष गाड़ी में 03 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 78, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 96, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 54, शयनयान श्रेणी में 220 बर्थ तथा 10 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 78, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 93, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 403 एवं शयनयान श्रेणी में 308 बर्थ उपलब्ध है।

- गोरखपुर से चलने वाली 04021 गोरखपुर-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 08 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 18, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 71, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 339 एवं शयनयान श्रेणी में 169 बर्थ उपलब्ध है।

- सीतामढ़ी से चलने वाली 04015 सीतामढ़ी-आनन्द विहार टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी में 06 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 01 एवं शयनयान श्रेणी में 81 बर्थ, 07 नवम्बर,2025 को शयनयान श्रेणी में 292 बर्थ, 08 नवम्बर,2025 को शयनयान श्रेणी में 405 बर्थ तथा 09 नवम्बर,2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 19 एवं शयनयान श्रेणी में 537 बर्थ उपलब्ध है।

- हसनपुर रोड से चलने वाली 04097 हसनपुर-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 04 नवम्बर,2025 को शयनयान श्रेणी में 389 बर्थ, 05 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 686 बर्थ, 06 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 833 बर्थ, 07 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 692 बर्थ, 08 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 706 बर्थ तथा 09 नवम्बर, 2025 को शयनयान श्रेणी में 900 बर्थ उपलब्ध है।

- सीतामढ़ी से चलने वाली 04009 सीतामढ़ी-दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी में 07 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 16 बर्थ, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 57, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 85, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 231 बर्थ एवं शयनयान श्रेणी में 232 बर्थ उपलब्ध है। -गोरखपुर से चलने वाली 04830 गोरखपुर-जोधपुर पूजा विशेष गाड़ी में 07 नवम्बर, 2025 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 22, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 95 बर्थ उपलब्ध है।

ऐशबाग स्टेशन पर रेलवे ट्रैक की सफाई करता हुआ सफाई मित्र

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 27 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर तथा लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाल कर यात्रियों एवं कर्मचारियों को जागरूक किया गया। इस दौरान प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों, कार्यालयों तथा ट्रैक के दोनों किनारों की साफ-सफाई की गई। मंडल रेल प्रबन्धक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/ई.एन.एच.एम. श्री महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों एवं रेलवे कर्मचारियों के साथ स्वच्छता जन-जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान स्टेशनों, कॉलोनियों, अस्पतालों, डिपो, रेलवे ट्रैक एवं अन्य क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई तथा स्टेशनों पर रेलवे ट्रैक एवं प्रसाधनों की गहन सफाई की गई। मंडल रेल प्रबंधक/वाराणसी श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर / ई.एन.एच.एम. श्री अभिषेक राय की देख-रेख में आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर कार्यरत स्वास्थ्य निरीक्षकों ने संविदा कर्मचारियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धी नारे, पोस्टर एवं बैनरों के माध्यम से एक जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्टेशनों पर रखे डस्टबिन की सफाई कर उनको निर्धारित स्थानों पर रखा गया। मंडल रेल प्रबंधक/इज्जतनगर सुश्री वीणा सिन्हा के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर /ई.एन.एच.एम. के नेतृत्व में इज्जतनगर मंडल के काठगोदाम, हल्द्वानी, लालकुआँ, काशीपुर, रूद्रपुर सिटी, बरेली सिटी, पीलीभीत, कासगंज, फरूर्खाबाद, फतेहगढ़, कन्नौज स्टेशनों पर रेल कर्मियों एवं स्वच्छता कर्मियों ने स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया जिससे स्टेशन परिसर, सरकुलेटिंग एरिया एवं यात्री सुविधाओं के स्थलों में स्पष्ट सुधार सुनिश्चित हुआ। प्लेटफार्मों पर यात्रियों के बैठने के जगह की सफाई की गई और प्लेटफार्मो के किनारे रखे गये कुड़ेदानों की सफाई की गई।

एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: छठ पर्व के पश्चात यात्रियों की वापसी यात्रा हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा 05615/05616 छपरा-दिल्ली-छपरा पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 28 अक्टूबर, 2025 को तथा दिल्ली से 29 अक्टूबर, 2025 को 01 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05615 छपरा-दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी 28 अक्टूबर, 2025 को छपरा से 23.25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन बलिया से 00.30 बजे, यूसूफपुर से 01.10 बजे, गाजीपुर सिटी से 01.33 बजे, औड़िहार से 02.25 बजे, वाराणसी सिटी से 03.02 बजे, वाराणसी से 03.35 बजे, शाहगंज से 05.18 बजे, अकबरपुर से 06.02 बजे, अयोध्या कैंट से 07.05 बजे, लखनऊ से 10.45 बजे, हरदोई से 12.54 बजे, शाहजहाँपुर से 14.50 बजे, मुरादाबाद से 19.20 बजे तथा गाजियाबाद से 22.27 बजे छूटकर दिल्ली 23.20 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05616 दिल्ली-छपरा पूजा विशेष गाड़ी 29 अक्टूबर, 2025 को दिल्ली से 04.00 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 04.52 बजे, मुरादाबाद से 08.05 बजे, शाहजहाँपुर से 10.40 बजे, हरदोई से 11.32 बजे, लखनऊ से 13.20 बजे, अयोध्या कैंट से 16.45 बजे, अकबरपुर से 17.57 बजे, शाहगंज से 19.22 बजे वाराणसी से 21.20 बजे, वाराणसी सिटी से 21.37 बजे, औड़िहार 22.12 बजे, गाजीपुर सिटी से 23.05 बजे, यूसूफपुर से 23.22 बजे तथा बलिया से 23.57 बजे छूटकर दूसरे दिन छपरा 01.30 बजे पहुँचेगी।

2025 को 01 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: छठ पर्व के पश्चात यात्रियों की वापसी यात्रा हेतु रेलवे प्रशासन द्वारा 05051/05052 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमतीनगर वाया गोरखपुर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 28 अक्टूबर, 2025 को तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 30 अक्टूबर, 2025 को 01 फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05051 छपरा- लोकमान्य तिलक टर्मिनस पूजा अनारक्षित विशेष गाड़ी 28 अक्टूबर, 2025 को छपरा से 20.00 बजे प्रस्थान कर मशरख से 21.02 बजे, दिघवा दुबौली से 21.24 बजे, थावे से 22.55 बजे दूसरे दिन पडरौना से 00.22 बजे, रामकोला से 00.44 बजे, कप्तानगंज से 01.15 बजे, गोरखपुर से 02.25 बजे, बस्ती से 03.37 बजे, गोंडा से 05.00 बजे, गोमतीनगर से 07.35 बजे, बादशाहनगर से 08.10 बजे, ऐशबाग से 08.55 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 10.55 बजे, उरई 13.20 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 (झाँसी) से 16.20 बजे, बीना से 19.35 बजे, रानी कमलापति से 22.25 बजे तीसरे दिन इटारसी से 00.12 बजे, खण्डवा से 02.42 बजे, भुसावल से 04.45 बजे, नासिक रोड से 08.15 बजे, इगतपुरी से 09.35 बजे तथा कल्याण से 11.08 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 12.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05052 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोमतीनगर अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 30 अक्टूबर, 2025 को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 14.00 बजे प्रस्थान कर कल्याण से 14.45 बजे, ईगतपुरी से 17.10 बजे, नासिक रोड से 17.42 बजे, भुसावल से 21.50 बजे, दूसरे दिन खण्डवा से 00.40 बजे, इटारसी से 03.25 बजे, रानी कमलापति से 05.40 बजे, बीना से 07.45 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 (झाँसी) से 09.55 बजे, उरई 11.07 बजे, कानपुर सेन्ट्रल से 14.05 बजे, ऐशबाग से 15.45 बजे तथा बादशाहनगर से 16.12 बजे छूटकर गोमतीनगर 16.45 बजे पहुँचेगी।

अमेरिका-ब्राजील व्यापार संबंधों में गर्माहट, राष्ट्रपति लूला बोले- ट्रंप ने दी समझौते की गारंटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आसियान शिखर सम्मेलन से इतर ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बताया कि ट्रंप ने उन्हें गारंटी दी है कि अमेरिका और ब्राजील जल्द ही व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे। बता दें कि ट्रंप ने अगस्त की शुरूआत में ब्राजील पर लगने वाले 10 प्रतिशत टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने सोमवार को कहा कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई मुलाकात के दौरान उन्हें दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर सहमति का भरोसा मिला है। लूला ने मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन से इतर बताया कि ट्रंप ने उन्हें गारंटी दी है कि अमेरिका और ब्राजील जल्द ही इस समझौते को अंतिम रूप देंगे। ट्रंप ने ब्राजील पर लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ बता दें कि ट्रंप ने अगस्त की शुरूआत में ब्राजील पर लगने वाले 10 प्रतिशत टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था।

सीएम ने सरकारी आवास में फरियादियों की समस्याएं सुनीं

स्थानीय कलाकारों को मिले अधिक मौका

लखनऊः राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने प्रदेशभर से आए पीड़ितों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। संबंधित अफसरों को निश्चित समयावधि में उनका निस्तारण कराने के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ितों से फीडबैक भी लेने को कहा। धन के अभाव में नहीं रुकेगा किसी का इलाज सरकारी जमीनों पर कब्जा किए जाने की बात पर सीएम ने जांच करके तत्काल कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। एक पीड़ित ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने अस्पताल से एस्टिमेट बनवाने को कहा। कहा कि धन के अभाव में किसी का भी इलाज अधूरा नहीं रहेगा। इलाज की व्यवस्था के लिए सरकार आपके साथ खड़ी है। सर! मैं कलाकार हूं... मुझे कार्यक्रम दिलवा दीजिए इस मौके पर एक महिला कलाकार ने कहा कि वे लोकगीत कलाकार हैं। उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रम करना है। मंच दिला दीजिए। इस पर सीएम ने उन्हें कार्यक्रम दिलाने का आदेश दिया। कहा कि सरकार हर जिले में लोककलाओं को प्राथमिकता दे रही है। कई आयोजन भी कराए जाते हैं। पंजीकृत व अधिक से अधिक स्थानीय कलाकारों को मौका मिलना चाहिए।

केशव मौर्य का तंज-तेजस्वी की घोषणाओं से परेशान राहुल बिहार से हुए नदारद

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तंज कसा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के महागठबंधन की परतें खुलती नजर आ रही है और राजद नेता तेजस्वी यादव की घोषणा दर घोषणाओं से परेशान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी परेशान होकर चुनाव प्रचार से नदारद हो चुके हैं। केशव मौर्य ने सोमवार को एक्स पर लिखा ष घोटालाबाज परिवार के प्रतीक तेजस्वी यादव की घोषणाओं-दर-घोषणाओं से परेशान राहुल गांधी फिलहाल बिहार से हुए नदारद हैं। बिहार की सियासत अब दो जागीरों के बीच रस्साकसी में बदल गई है एक तरफ राहुल गांधी के हाथों में कांग्रेस की जागीर और दूसरी तरफ तेजस्वी यादव की लालटेन। वोट यात्रा के नाम पर दोनों साथ चले थे, लेकिन अब चुनाव की बेला पर एक-दूसरे से दो-दो हाथ करते दिख रहे हैं। बालहठ के मारे राहुल गांधी रूठ गए हैं और यादव जी अपनी ढपली अपना राग अलाप रहे हैं। यही असली चेहरा है महागठबंधन का। उन्होने कहा कि यह पूरा प्रलाप महागठबंधन की विफलता को उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि रात-दिन संविधान बचाने का अलाप करने वाले महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव खुद लोकतंत्र की खिल्ली उड़ाने से बाज नहीं आ रहे हैं। उनका वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंकने का बयान संसद और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का घोर अपमान है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह बयान भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का भी अनादर है, जिन्होंने संविधान की नींव रखी। बिहार में यादव परिवार को न तो लोक की लाज है, न संसद की गरिमा की चिंता। ऐसे बयानों से यह साबित होता है कि उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा नहीं, बल्कि सत्ता पर कब्जा चाहिए,। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की कि तेजस्वी यादव के इस विवादित बयान का तुरंत संज्ञान लेकर कार्रवाई की जाए, ताकि लोकतांत्रिक मयार्दाओं की रक्षा हो सके।

चक्रवात मोन्था का असर,यूपी के पूर्वांचल जिलों में बारिश, तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट

लखनऊ(संवाददाता)। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर पर बने संयुक्त प्रभाव के कारण बुंदेलखंड समेत उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में सोमवार को बादलों के जमावड़े के बीच बूंदाबांदी से मौसम खुशगवार हो गया है। मौसम विभाग ने 29 से 31 अक्टूबर के बीच पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में गरज चमक के साथ बारिश के आसार जताये हैं। मौसम आंचलिक केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, पूर्व-मध्य अरब सागर पर बने अवदाब से पश्चिमी मध्य प्रदेश तक फैली एक द्रोणिका अरब सागर से नमी को निचले क्षोभमंडल में खींच रही है। पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने के साथ, इन परिस्थितियों के कारण 27 अक्टूबर को बुंदेलखंड और उससे सटे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में बारिश या हल्की बौछारें पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी पर बना गहरा अवदाब एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील होकर 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट पर दस्तक देगा। इसके अवशेष धीरे-धीरे कमजोर होकर दक्षिणी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्रभावित करेंगे, जिससे 29 से 31 अक्टूबर के बीच पूर्वांचल के कुछ हिस्सों में बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। इन दोनों प्रणालियों के प्रभाव से, अगले चार से पाँच दिनों में राज्य के कई इलाकों में बादल छाए रहने और रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग अपरिवर्तित रह सकता है या इसमें मामूली वृद्धि हो सकती है। इस बीच, रविवार को मेरठ में राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद बरेली (15.3 डिग्री सेल्सियस), नजीबाबाद (16 डिग्री सेल्सियस), मुजफ्फरनगर (16 डिग्री सेल्सियस) और शाहजहांपुर (16.4 डिग्री सेल्सियस) का स्थान रहा।

ताजा खबर...

सुल्तानपुर के सीएमओ सस्पेंड

लखनऊ(संवाददाता)। सुल्तानपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी सरकार विरोधी बयानबाजी के चक्कर में नप गये।यूपी के सुल्तानपुर के सीएमओ डॉक्टर भास्कर प्रसाद को अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने वायरल वीडियो में दिए बयानों के आधार पर निलंबित कर दिया है। उन्होंने विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए हैं।जिला अस्पताल की बदहाली के खिलाफ विरोध में कुछ लोग सीएमओ व सीएमएस की अर्थी निकालने की तैयारी में थे।प्रदर्शन के दौरान सीएमओ ने कहा कि,अगर निकालना है तो सरकार की अर्थी निकालो, योगी जी की अर्थी निकालो। सीएमओ के बयान का वीडियो वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया। इसके बाद प्रशासन ने सीएमओ साहब को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

घाट पर छठ व्रतियों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री योगी, गोमती मैया को दुग्ध अर्पित कर किया नमन

लखनऊ(संवाददाता)। सूर्य उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर पूरे देश में भक्ति और श्रद्धा का माहौल है। इस पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ के लक्ष्मण मेला पार्क स्थित छठ घाट पर पहुचकर स्वयं इस महापर्व में शिरकत की। सीएम योगी ने न केवल गोमती नदी के तट पर गोमती मैया की भव्य आरती कर पूजा-अर्चना की, बल्कि उन्होंने छठ व्रतियों का मान बढ़ाते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। उनका यह कदम लोक पर्वों के प्रति सरकार के सम्मान और जन भावनाओं से गहरे जुड़ाव को दशार्ता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम के अर्घ्य के महत्वपूर्ण समय से पहले लक्ष्मण मेला पार्क स्थित छठ घाट पर पहुंचे। घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं और छठ व्रतियों की अटूट श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री योगी ने गोमती नदी के तट पर जाकर छठी मैया और सूर्य देव को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए गोमती मैया की आरती की, दीप प्रज्वलित किए और पवित्र दुग्ध अर्पित कर पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने स्वयं नदी में दुग्ध प्रवाहित करके प्रकृति और जल स्रोतों के संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें सिखाता है कि हमें जीवनदायिनी नदियों और प्रकृति के हर स्वरूप का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि इन सब के प्रति आभार व्यक्त करना ही भारतीय संस्कृति की मूल पहचान है। पूजा-अर्चना संपन्न करने के बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छठ घाट पर की गई सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तार से निरीक्षण किया।

रेलवे हॉस्पिटल में भीषण आग,22 मरीजों को बचाया गया, मची अफरा-तफरी

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आलमबाग स्थित रेलवे हॉस्पिटल में सोमवार तड़के भीषण आग लग गई। आग से तीन मंजिला अस्पताल में धुआं भर गया। मरीजों और अस्पताल स्टाफ का दम घुटने लगा। अफरा-तफरी मच गई। धुआं भरने से अस्पताल के क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) में भर्ती 22 मरीज फंस गए। अस्पताल के फायर अलार्म बजने लगे। मरीज और उनके परिजन दहशत में आ गए। तुरंत परिजनों और स्टाफ ने जैसे-तैसे सीसीयू में भर्ती मरीजों का रेस्क्यू किया। आग की सूचना सुबह 5.38 बजे फायर कंट्रोल रूम को दी गई। दमकल की टीम 5.48 बजे मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, अस्पताल के भूतल पर बने सीसीटीवी सर्वर रूम में शॉर्ट सर्किट हुआ। शॉर्ट सर्किट से सर्वर रूम में आग की लपटें उठने लगी। कुछ ही देर में आग ने ग्राउंड फ्लोर को चपेट में ले लिया। धुआं अस्पताल के फर्स्ट फ्लोर पर बने सीसीयू यूनिट में भर गया। अचानक धुआं और लपटें उठने से अस्पताल में चीख पुकार मच गई। धुएं के कारण सीसीयू वार्ड में मरीजों के लिए सांस लेना मुश्किल हो गया।

भारत में इंफर्टिलिटी का मानसिक दबाव इलाज के साथ काउंसलिंग जरूरी: डॉ. सौम्या कुलश्रेष्ठा

लखनऊ(संवाददाता)। इंफर्टिलिटी के बारे में ज्यादातर बात मेडिकल पहलुओं से शुरू होती है जैसे की हॉर्मान लेवल, एग काउंट, प्रोसीजर और परिणाम। लेकिन अधिकतर दंपत्तियों के लिए इस सफर का भावनात्मक असर कहीं गहरा होता है। डॉ. सौम्या कुलश्रेष्ठा, फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, लखनऊ बताती हैं कि चिंता, असफलता का डर, रिश्तेदारों के सवालों का दबाव और लगातार बनी हुई बेचैनी ये सब मिलकर व्यक्ति को भीतर तक थका देते हैं। भारत के अलग-अलग हिस्सों में हुए अध्ययन ने इस मानसिक दबाव को संख्याओं में समझाने की कोशिश की है। एक अध्ययन में पाया गया कि फर्टिलिटी ट्रीटमेंट ले रहे 46.2प्रतिशत जोड़ों में एंग्जाइटी के लक्षण थे और 40.9प्रतिशत में डिप्रेशन के संकेत। दक्षिण भारत के एक टर्शरी अस्पताल में किए गए एक अन्य अध्ययन के अनुसार, ट्रीटमेंट ले रहे 46प्रतिशत से अधिक पुरुषों ने डिप्रेस्ड महसूस किया, 51प्रतिशत को एंग्जाइटी हुई और 59.5प्रतिशत ने अपने साइकिल्स के दौरान मानसिक स्ट्रेस की बात कही। यह केवल आंकड़ें नहीं हैं। इन आंकड़ों के पीछे हैं असली लोग, जो हर महीने उम्मीद और निराशा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। भावनात्मक स्ट्रेन इलाज के फैसलों को भी प्रभावित कर सकता है। कई जोड़े देर से क्लिनिक पहुंचते हैं या बीच में ट्रीटमेंट छोड़ देते हैं, न कि इसलिए कि मेडिकल साइंस ने जवाब दे दिया, बल्कि इसलिए कि वे मानसिक रूप से थक चुके होते हैं। तनाव शरीर के हॉर्मानल बैलेंस को भी प्रभावित करता है, जिससे ट्रीटमेंट का असर कम हो सकता है। यह याद दिलाता है कि मन और शरीर एक-दूसरे से अलग नहीं हैं इसीलिए काउंसलिंग को शुरूआत से ही ट्रीटमेंट का हिस्सा बनाना चाहिए, न कि एक विकल्प के रूप में रखना चाहिए। किसी काउंसलर से बात करना जोड़ों को अपनी भावनाओं को समझने, उम्मीदों को संतुलित रखने और एक-दूसरे का सहयोग करने में मदद करता है।

कालेजों में उपस्थिति संतोषजनक नहीं, राजभवन नाखुश

लखनऊ(संवाददाता)। यूनिवर्सिटी व डिग्री कॉलेजों में छात्रों की 75 प्रतिशत उपस्थिति पर राजभवन सख्त हो गया है। विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह में 75 प्रतिशत उपस्थिति पर सख्ती किए जाने के निर्देश आदेश दिए गए थे। अब उच्च शिक्षण संस्थानों को विद्यार्थियों की उपस्थिति पर सख्ती के लिए फूलप्रूफ व्यवस्था करनी होगी। अभी सिर्फ कागज पर ही मनमाने ढंग से उपस्थिति दर्ज होती है। कई बार रिकार्ड तक नहीं रहता। विश्वविद्यालय व डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों की बॉयोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज करने की व्यवस्था है लेकिन अभी छात्रों के लिए ऐसी व्यवस्था अभी तक नहीं की गई। यही कारण है कि प्रदेश में ज्यादातर राज्य विश्वविद्यालय व सरकारी डिग्री कॉलेजों में शिक्षक अपनी कक्षा में एक कागज पर उपस्थिति दर्ज करते हैं।परीक्षा में बैठने के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति होना अनिवार्य होता है लेकिन ज्यादातर परंपरागत पाठ्यक्रम बीए, बीएससी, बीकाम, एमए, एमएससी व एमकॉम इत्यादि में सख्ती नहीं की जाती। तमाम छात्र समय पर परीक्षा फॉर्म भी नहीं भरते। ऐसे में परीक्षा फॉर्म भरने की तिथियां बढ़ाई जाती हैं और विद्यार्थियों को मैसेज भेजकर परीक्षा फॉर्म भरवाया जाता है। विद्यार्थी मनमाने ढंग से कक्षाएं पढ़ने आते हैं। उत्तर प्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौलीन्दु मिश्रा कहते हैं कि जब तक छात्रों के लिए बॉयोमीट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था नहीं की जाएगी, तब तक हाजिरी के नाम पर खिलवाड़ जारी रहेगा। बीएससी व एमएससी में तो प्रैक्टिकल के चलते छात्र पढ़ाई करने आते भी हैं लेकिन बीए, बीकॉम, एमए व एमकॉम पाठ्यक्रम में छात्र कक्षाएं करने में लापरवाही करते हैं।करीब 48 लाख विद्यार्थी उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे हैं। बीते दिनों कई विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 75 प्रतिशत उपस्थिति पर सख्ती किए जाने के निर्देश दिए हैं। अब विश्वविद्यालय व कॉलेजों को इसके लिए फूलप्रूफ व्यवस्था करनी होगी। छात्रों की भी दर्ज हो बॉयोमीट्रिक उपस्थिति लुआक्टा के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पांडेय कहते हैं कि जब शिक्षकों की बॉयोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज कराई जा रही है तो छात्रों की भी दर्ज कराई जानी चाहिए। दो साल पहले शासनादेश किया गया था कि विश्वविद्यालय व कॉलेजों में छात्रों व शिक्षकों की बॉयोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज की जाए। छात्रों की उपस्थिति पर सख्ती करनी है तो बॉयोमीट्रिक उपस्थिति को अनिवार्य करना होगा। परीक्षा में कम उपस्थिति वाले छात्रों को बैठने से सख्ती के साथ रोकना होगा।

7 मीटर चौड़ी सड़कों पर भी लग सकेंगे छोटे उद्योग

लखनऊ(संवाददाता)। यूपी में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग एमएसएमई नीति में बदलाव की तैयारी कर रही है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों की तरह ही शहरी क्षेत्रों में भी सात मीटर चौड़ी सड़कों पर छोटे उद्योग लगाने की अनुमति दी जाएगी। इस संदर्भ में उच्च स्तर पर निर्णय लिया जा चुका है। एमएसएमई विभाग ने इस संबंध में शासन को प्रस्ताव भेज दिया है। उम्मीद है कि कैबिनेट की अगली बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी जाएगी। वर्तमान में राज्य में एमएसएमई की 96 लाख इकाइयां हैं। प्रदेश से होने वाले निर्यात में एमएसएमई की 46 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सरकार एमएसएमई क्षेत्र को नए सिरे से विकसित करने की तैयारी कर रही है।

धर्म निरपेक्षता के नाम पर पहचान मिटाने का दौर अब खत्म, सीएम योगी ने विपक्ष पर जमकर साधा निशाना

लखनऊ(संवाददाता)। विपक्षी दलों के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को पाखंड करार देते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम रखने की घोषणा की। उन्होने कहा पिछली सरकारों में अयोध्या को फैजाबाद, प्रयागराज को इलाहाबाद और कबीरधाम को मुस्तफाबाद बनाया गया था। हमने इन स्थलों की पहचान वापस लौटाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे सेक्युलरिज्म के नाम पर करता था, जबकि यह पाखंड है। योगी ने मुस्तफाबाद स्थित विश्व कल्याण आश्रम में स्मृति प्राकट्योत्सव मेला-2025 में भाग लिया और संतों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है, जबकि पहले यही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाने में लगता था। कबीरधाम आश्रम में योगी ने राष्ट्रभक्ति, सनातन परंपरा, विरासत के सम्मान, और विकास की दिशा में सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि संत कबीरदास जी की वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही है। उन्होंने निर्गुण भक्ति की वह धारा प्रवाहित की जो समाज की विसंगतियों को तोड़कर आत्मा और परमात्मा का संबंध सरल शब्दों में आमजन को समझाने में सफल रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोविंद दोनों खड़े काके लागूं पांव... यह दोहा आज भी हमें गुरु के महत्व का स्मरण कराता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी सैकड़ों वर्ष पूर्व थी। उन्होंने कहा कि कबीरदास जी ने उस दौर में समाज की जातीय विषमताओं पर प्रहार कर कहा था, जाति पाति पूछे न कोई, हरि को भजे सो हरि का होई। यह वाणी हमारे समाज की एकता और अखंडता की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि देश की एकता को तोड़ने वाली शक्तियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। आज भी समाज विरोधी ताकतें आस्था पर प्रहार करने और जाति के नाम पर विभाजन करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम समय रहते अपनी कमजोरियों को नहीं पहचानेंगे तो ये बीमारियां कैंसर की तरह समाज को खोखला कर देंगी। योगी ने कहा कि राष्ट्र भक्ति ही सभी समस्याओं का समाधान है। उन्होंने कहा कि माता भूमि पुत्रोहम... यह भूमि केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, हमारी मातृभूमि और पितृभूमि है। इस धरती की सेवा ही सच्ची उपासना है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए परिवर्तन की चर्चा करते हुए कहा कि 2014 से पहले देश पहचान के संकट से जूझ रहा था। भ्रष्टाचार, आतंकवाद और विभाजनकारी राजनीति चरम पर थी। मोदी जी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और कुछ ही माह में यह तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी जैसे सीमावर्ती जिलों में भी विकास की नई धारा बह रही है। गांव-गांव सड़कें बन रही हैं, मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है, एयरपोर्ट का विस्तार किया जा रहा है और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गोला गोकर्णनाथ धाम और कबीरधाम जैसे धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार से आस्था और पर्यटन दोनों को बल मिल रहा है। योगी ने संत असंगदेव जी महाराज के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे धर्म, नशा मुक्ति और राष्ट्र चेतना का अद्भुत कार्य कर रहे हैं। उन्होंने नशा मुक्ति पर बोलते हुए कहा कि नशा नाश का कारण है। विदेशी ताकतें हमारे युवाओं को बर्बाद करने की साजिश रच रही हैं। फोन का इस्तेमाल सीमित करें और आत्मविकास पर ध्यान दें। उन्होने गो सेवा और नेचुरल फार्मिंग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर गाय के लिए सरकार 1500 रुपये प्रतिमाह दे रही है। गोमाता के संरक्षण के लिए जनप्रतिनिधियों को गोशालाओं की देखरेख करनी चाहिए। रासायनिक खेती से जमीन ऊसर हो रही है, इसलिए नेचुरल फार्मिंग अपनाएं। एक गाय 30 एकड़ भूमि के लिए पर्याप्त जैविक खाद देती है। यही सच्ची राष्ट्रभक्ति है। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों का संरक्षण, खेती की रक्षा और नशा मुक्ति, यही राष्ट्र की सच्ची सेवा है।

केवल अंडरविडयर में पड़ा मिला युवक का शव

लखनऊ(संवाददाता)। बंथरा इलाके में सोमवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिला। लगभग 35 वर्षीय युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बंथरा पुलिस के अनुसार, कानपुर रोड स्थित रवि नर्सरी के पास एक युवक के अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से उसकी पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पाई। पुलिस ने एम्बुलेंस बुलाकर युवक को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक केवल अंडरवियर पहने हुए था। गले में सफेद धागे पर काला ताबीज भी पहने हे। बंथरा प्रभारी निरीक्षक राणा राजेश सिंह ने बताया कि मृतक मानसिक रूप से विक्षिप्त लग रहा था। मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। जहां डेड बॉडी पड़ी मिली, वह बंथरा के अंबरपुर निवासी संजय तिवारी का प्लॉट है। वहीं पर उनका मकान भी है। उनके मकान में सोहन लाल गुप्ता नामक व्यक्ति किराए पर रहता है, जो कबाड़ी का काम करता है।

दिल्ली घेरने की तैयारी में एनएमओपीएस और अटेवा टीम

लखनऊ। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम और ऑल टीचर्स एम्पलाईज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) के तत्वावधान में पूरे देश में विगत कई वर्षों से पुरानी पेंशन की बहाली और निजीकरण की समाप्ति के लगातार संघर्ष किया जा रहा है जिसका परिणाम है कि आज पुरानी पेंशन की बहाली और निजीकरण की समाप्ति देश का प्रमुख मुद्दा बन गया है। कई राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल हो गई है और कई लाख कर्मचारी और शिक्षकों समेत अधिकारियों को पुरानी पेंशन का लाभ मिल रहा है। विजय कुमार बंधु के अनुसार संगठन के संघर्ष की बदौलत 1जनवरी 2004 के पूर्व में प्रकाशित नौकरियों में बाद में ज्वाइन करने वालों को पुरानी पेंशन बहाली का लाभ मिला लेकिन जब तक देश भर के शिक्षक व कर्मचारियो को एनपीएस,यूपीएस को हटाकर पुरानी पेंशन की बहाली नही हो जाती, निजीकरण की समाप्ति और टीईटी की अनावश्यक अनिवार्यता समाप्त नहीं हो जाती। इसके लिए पूरे देश में एनएमओपीएस और अटेवा की दिल्ली घेरने की तैयारी शुरू हो चुकी है। 25 नवंबर को नई दिल्ली में एक विशाल प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।फिलहाल इस दौरान एक लाख से अधिक शिक्षक कर्मचारी दिल्ली पहुचने का अनुमान लगाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के अनुसार यूपीएस पूरी तरह से फेल योजना साबित हुई क्योंकि 24 लाख से ज्यादा केंद्रीय कर्मचारियों में 97 प्रतिशत लोगो ने इसको अस्वीकार कर दिया जबकि सरकार बार-बार उसका समय बढ़ा रही है इससे स्पष्ट है कि देश के शिक्षकों, कर्मचारियों ने एनपीएस और यूपीएस दोनों को नकार दिया। सरकार को चाहिए कि ओपीएस का भी विकल्प खोल दे, सारी हकीकत सामने आ जाएगी। सरकार ने निजीकरण की रफ्तार को तेज किया है जिससे देश में सरकारी संस्थान लगातार कमजोर हो रहे है और बेरोजगारी की दर बढ़ रही है। इन्हीं मुद्दों को लेकर एक विशाल प्रदर्शन 25 नवंबर को दिल्ली में किया जाएगा। सरकार लगातार शिक्षकों व कर्मचारियों का उत्पीड़न कर रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार शिक्षक व कर्मचारियों के मुद्दों को हल करने के लिए उदारता दिखाए क्योंकि शिक्षक व कर्मचारी ही सरकार की रीढ़ है और वहीं सरकार की योजनाओं को धरातल पर ले जाता है। टीईटी की अनिवार्यता करके शिक्षकों को अपमानित किया जा रहा है शिक्षा के माहौल को खराब किया जा रहा है। अपने मुद्दे को ताकत देने के लिए स्नातक और शिक्षक विधान परिषद के आगामी होने वाले चुनाव में सभी शिक्षक और कर्मचारी अधिक से अधिक अपने नाम वोटर लिस्ट में बढ़वाए।

उपभोक्ता के 13 करोड़ रुपए वापसी के लिए आयोग पहुंचा परिषद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिना विद्युत नियामक आयोग की अनुमति के उपभोक्ताओं पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर अनिवार्य करने और मीटर की लागत 6016 वसूलने के मामले में आज उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। और पूर्व में कारपोरेशन के खिलाफ दाखिल अपनी अवमानना याचिका के क्रम में एक विरोध प्रस्ताव दाखिल किया जिसमें या मुद्दा उठाया कि जब आयोग ने स्पष्ट कर दिया की पावर कॉरपोरेशन की वसूली का आदेश आयोग आदेशों का उल्लंघन है फिर भी उपभोक्ताओं से अवैध रूप से की जा रही वसूली क्या सरकार की छवि धूमिल करने वाला नहीं है। इसलिए आयोग तत्काल प्रभाव से पावर कारपोरेशन को आदेशित करते हुए पूरी प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई और कापोर्रेशन प्रबंधन के खिलाफ अभिलंब अबमानना की कार्रवाई शुरू करें।उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने विद्युत नियामक आयोग के सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर एक विरोध प्रस्ताव सौंपा।

सम्पादकीय

आसियान में मोदी की गैरहाजिरी

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन, आसियान का शिखर सम्मेलन मलेशिया में होने जा रहा है। जिसमें इस बार भारत की तरफ से प्रधानमंत्री मोदी शामिल नहीं हो रहे हैं, उनका प्रतिनिधि बनकर एस जयशंकर पहुंच रहे हैं। श्री मोदी की गैरहाजिरी को लेकर कोई ठोस कारण अब तक सामने नहीं आया है कि फलां-फलां वजह से मलेशिया पहुंचना बिल्कुल ही असंभव था। हालांकि कांग्रेस पार्टी का कहना है कि ट्रंप से आमना-सामना न हो, इससे बचने के लिए नरेन्द्र मोदी आसियान में नहीं गए। वहीं हो सकता है कि बिहार चुनाव की व्यस्तता भी मोदी को देश के लिए जरूरी कामों से दूर कर रही है। प्रधानमंत्री का काम छोड़कर बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार करने का काम मोदी पहले भी करते रहे हैं। बहरहाल, आसियान जैसे मंच क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए जरूरी होते हैं। मोदी बार-बार भारत को विश्वगुरु बनाने की बात करते हैं, लेकिन सोचने वाली बात है कि क्या इस तरह भारत का रसूख कायम होगा। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष जब आपस में मिलते हैं तो जरूरी मुद्दों पर चर्चा होती है, कई ऐसे समझौतों की राह बनती है, जो फोन पर चचाओं में संभव नहीं है। अमेरिका से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मलेशिया पहुंचे हैं और रास्ते में वो कतर होते हुए आए। दुनिया के दूसरे कोने से ट्रंप बार-बार एशिया का रुख कर रहे हैं, क्योंकि यहां उन्हें व्यापारिक, राजनैतिक, सामरिक लाभ नजर आ रहे हैं। रविवार सुबह ट्रंप रविवार सुबह मलेशिया के दौरे पर पहुंचे और कुआलालंपुर में उनकी मौजूदगी में थाईलैंड और कम्बोडिया ने सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ट्रंप ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। गौरतलब है कि थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रंप की अहम भूमिका बताई जा रही है। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में रणनीतिक तौर पर खुद को शांतिदूत साबित करने में लगे हुए हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच भी युद्ध रुकवाने का दावा कम से कम 50 बार तो कर ही चुके हैं, जिसे मोदी ने गलत साबित करने की पुख्ता कोशिश एक बार भी नहीं की। उधर रूस से तेल खरीद को रोकने के लिए भी ट्रंप भारत पर दबाव बनाने की बात कह रहे हैं। मोदी इसे भी नकार नहीं रहे। ऐसा नहीं है कि ट्रंप बड़ी नेकनीयत से ये सारे काम कर रहे हैं। शांति का उनका विचार गांधी और नेहरू के विचारों से दूर-दूर तक मेल नहीं खाता है। ट्रंप दबाव की राजनीति में यकीन रखते हैं और दुनिया पर वही थोप रहे हैं। अगर भारत की मौजूदा सरकार गांधीवादी सिद्धांतों और नेहरूवादी रणनीति के साथ बढ़ती तो ट्रंप की हिम्मत नहीं होती कि वो इतनी बेतकल्लुफी के साथ भारत के प्रधानमंत्री के लिए बयान देते। लेकिन अभी की शर्मनाक हकीकत यही है। ट्रंप शांतिदूत वाले चोगे को पहनकर बड़ी चतुराई से भारत को अलग-थलग कर रहे हैं। पाकिस्तान पूरी तरह से ट्रंप की सरपरस्ती में है, अब मलेशिया में ट्रंप की मुलाकात चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से होने वाली है। चीन भी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को समर्थन देता है और अब व्यापार के फायदे को देखते हुए अमेरिका और चीन बाकी विवादों को सुलझा लेंगे, तब भारत के लिए खतरे कितने बढ़ जाएंगे, इस बात पर मोदी सरकार को ध्यान देना चाहिए। भारत पर तो अमेरिका ने भारी भरकम टैरिफ लगा ही दिया है, इसके अलावा एच 1 बी वीजा को भी इतना कठिन कर दिया है कि हजारों परिवार इससे प्रभावित हो गए हैं। वहीं चीन पर भी अमेरिका ने टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में चीन ने अमेरिकी किसानों से सोयाबीन खरीद को रोक लगाकर अमेरिका की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर चोट की है। इसके अलावा चीन रेयर अर्थ यानी धरती के दुर्लभ खनिजों को भी अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। ये ऐसे खनिज हैं, जिनके बिना सेमीकंडक्टर, हथियार सिस्टम, गाड़ियां या स्मार्टफोन तक नहीं बनाए जा सकते। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को इन दुर्लभ खनिजों की लगातार जरूरत है। चीन के अलावा और जिन देशों में इनकी उपलब्धता है, वहां तो अमेरिकी दबाव काम कर जाता है, मगर चीन के साथ ट्रंप को आमने-सामने समझौता करना पड़ेगा। चीन की भी व्यापार, रोजगार आदि की अपनी समस्याएं हैं, जो अमेरिकी टैरिफ से और बढ़ी हैं। लिहाजा दोनों देश अब व्यापार के मुनाफे को अहमियत देते हुए किसी बड़े समझौते पर राजी हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति इसी तरह काम करती है, जहां अपना नुकसान कराए बिना सामने वाले पक्ष को राजी किया जाता है। फिलहाल भारत में ऐसी कूटनीति नदारद है। नरेन्द्र मोदी दुनिया भर के नेताओं से गले मिल लें, हाथ मिलाकर फोटो खिंचवा लें, हंसी-ठत्र्ञ करते दिखें, लेकिन जनता के धन पर हो रही इन खचीर्ली मुलाकातों से देश को आखिर में क्या हासिल हो रहा है, यह सवाल सरकार से किया जाना चाहिए। ट्रंप से मलेशिया में मुलाकात कर, आंख में आंख डालकर अगर मोदी यह पूछ सकते कि आप हमें कैसे निर्देशित कर सकते हैं कि हम रुस से तेल खरीदें या न खरीदें।

संतुलन, संयम और सक्रियता जयशंकर की पहचान, निकाल दिया भारत-अमेरिका रिश्तों में आई 'समस्या' का समाधान

अमेरिका का यह दावा कि ट्रंप ने संघर्ष विराम में मध्यस्थता की, नई दिल्ली के लिए अस्वीकार्य रहा। रुबियो ने भले ही यह स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते संबंध भारत की कीमत पर नहीं होंगे, लेकिन कूटनीति में ऐसी पंक्तियाँ आश्वासन से अधिक संकेतों का माध्यम होती हैं। भारत के लिए संदेश साफ है कि वाशिंगटन अपनी क्षेत्रीय रणनीति में इस्लामाबाद को पूरी तरह अलग नहीं करेगा, पर नई दिल्ली को साझेदारी में बराबरी का दर्जा देने की कोशिश जारी रखेगा। साथ ही रुबियो की टिप्पणी कि भारत ने पहले ही तेल खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है यह दशार्ती है कि अमेरिका अब भारत के ऊर्जा निर्णयों पर सीधे दबाव डालने के बजाय संवाद का रास्ता अपना रहा है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत के लिए महज ऊर्जा नीति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जयशंकर बार-बार यह दोहरा चुके हैं कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेता है। इस पृष्ठभूमि में रुबियो की भाषा अपेक्षाकृत संयमित और यथार्थपरक दिखी, जो बताती है कि अमेरिका भारत की स्वायत्त विदेश नीति को धीरे-धीरे स्वीकार करने की दिशा में है। इसके अलावा, जयशंकर की मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों से हुई अलग-अलग बैठकों का महत्व भी इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का प्रमुख स्तंभ है और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत इस मंच को अपने रणनीतिक संतुलन के रूप में देखता है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात, सिंगापुर के विवियन बालाकृष्णन के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा और कोरिया के साथ सेमीकंडक्टर व रक्षा सहयोग पर वार्ता, ये सब भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति की झलक हैं। जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट है कि भारत किसी एक ध्रुव— चाहे वह अमेरिका हो या रूस, पर निर्भर नहीं रहना चाहता। बल्कि वह एशिया और इंडो-पैसिफिक में अपने साझेदारों के साथ मिलकर एक समावेशी सुरक्षा व आर्थिक ढाँचा बनाना चाहता है। देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि संकट के दौर में भी संवाद के पुल टूटते नहीं। चाहे वह 1998 के परमाणु परीक्षण हों या आज के शुल्क विवाद, हर बार दोनों देशों ने कूटनीतिक विवेक से संबंधों को संभाला है। जयशंकरझ्ररुबियो वार्ता भी उसी परंपरा का विस्तार है। दोनों नेताओं के बयान यह संकेत देते हैं कि मतभेदों के बावजूद मित्रता की भाषा कायम है। रुबियो का यह कहना कि भारतीय कूटनीति परिपक्व और व्यावहारिक है दरअसल भारत की वैश्विक स्थिति की स्वीकारोक्ति है। वाशिंगटन अब यह समझ रहा है कि नई दिल्ली को केवल रणनीतिक भागीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र शक्ति केंद्र के रूप में स्वीकार करना होगा। साथ ही कुआलालंपुर की मुलाकात को सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक घटना मानना भूल होगी।

भारत और अमेरिका के बीच बीते कुछ महीनों से जो आर्थिक और रणनीतिक असहमति का दौर चल रहा है, उसने दोनों देशों के ₹स्वाभाविक साझेदारी₹ वाले रिश्ते पर गहरा असर डाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना इस तनाव का चरम बिंदु रहा। भारत ने इसे अनुचित, असंगत और अविवेकपूर्ण करार दिया। किंतु कूटनीति का मूल्य संकट के समय ही मापा जाता है और यही बात कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता बहुत जल्द होने वाला है। यह संकेत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव का असर सिर्फ द्विपक्षीय नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और हिंद-प्रशांत की आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ रहा है। भारत की ओर से यह कोशिश स्पष्ट दिख रही है कि वह न केवल शुल्क विवाद को सुलझाना चाहता है, बल्कि व्यापक आर्थिक सहयोग को फिर से गति देना चाहता है। रुबियो ने भी अपने बयान में यह स्वीकार किया कि भारत हमारा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सहयोगी है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर उठे सवालों पर सफाई देते हुए कहा कि हम पाकिस्तान के साथ रिश्ते भारत की कीमत पर नहीं बढ़ा रहे। यह वक्तव्य अमेरिकी विदेश नीति के उस द्वंद्व को भी रेखांकित करता है, जिसमें वाशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से अपनी रणनीतिक गणना में शामिल करना चाहता है, लेकिन नई दिल्ली की संवेदनशीलता को भी नजरअंदाज नहीं कर सकता। देखा जाये तो अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों में बढ़ती निकटता भारत के लिए चिंता का विषय रही है, खासकर तब जब ट्रंप प्रशासन ने मई में भारत-पाकिस्तान सीमा संघर्ष के बाद पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर से सीधी वार्ता की। अमेरिका का यह दावा कि ट्रंप ने संघर्ष विराम में मध्यस्थता की, नई दिल्ली के लिए अस्वीकार्य रहा। रुबियो ने भले ही यह स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते संबंध भारत की कीमत पर नहीं होंगे, लेकिन कूटनीति में ऐसी पंक्तियाँ आश्वासन से अधिक संकेतों का माध्यम होती हैं। भारत के लिए संदेश साफ है कि वाशिंगटन अपनी क्षेत्रीय रणनीति में इस्लामाबाद को पूरी तरह अलग नहीं करेगा, पर नई दिल्ली को साझेदारी में बराबरी का दर्जा देने की कोशिश जारी रखेगा। साथ ही रुबियो की टिप्पणी कि भारत ने पहले ही तेल खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है यह दशार्ती है कि अमेरिका अब भारत के ऊर्जा निर्णयों पर सीधे दबाव डालने के बजाय संवाद का रास्ता अपना रहा है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत के लिए महज ऊर्जा नीति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जयशंकर बार-बार यह दोहरा चुके हैं कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेता है। इस पृष्ठभूमि में रुबियो की भाषा अपेक्षाकृत संयमित और यथार्थपरक दिखी, जो बताती है कि अमेरिका भारत की स्वायत्त विदेश नीति को धीरे-धीरे स्वीकार करने की दिशा में है। इसके अलावा, जयशंकर की मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों से हुई अलग-अलग बैठकों का महत्व भी इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। आसियान भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का प्रमुख स्तंभ है और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत इस मंच को अपने रणनीतिक संतुलन के रूप में देखता है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात, सिंगापुर के विवियन बालाकृष्णन के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा और कोरिया के साथ सेमीकंडक्टर व रक्षा सहयोग पर वार्ता, ये सब भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति की झलक हैं। जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट है कि भारत किसी एक ध्रुव– चाहे वह अमेरिका हो या रूस, पर निर्भर नहीं रहना चाहता। बल्कि वह एशिया और इंडो-पैसिफिक में अपने साझेदारों के साथ मिलकर एक समावेशी सुरक्षा व आर्थिक ढाँचा बनाना चाहता है। देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि संकट के दौर में भी संवाद के पुल टूटते नहीं। चाहे वह 1998 के परमाणु परीक्षण हों या आज के शुल्क विवाद, हर बार दोनों देशों ने कूटनीतिक विवेक से संबंधों को संभाला है। जयशंकरझ्ररुबियो वार्ता भी उसी परंपरा का विस्तार है। दोनों नेताओं के बयान यह संकेत देते हैं कि मतभेदों के बावजूद मित्रता की भाषा कायम है। रुबियो का यह कहना कि भारतीय कूटनीति परिपक्व और व्यावहारिक है दरअसल भारत की वैश्विक स्थिति की स्वीकारोक्ति है। वाशिंगटन अब यह समझ रहा है कि नई दिल्ली को केवल रणनीतिक भागीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र शक्ति केंद्र के रूप में स्वीकार करना होगा। साथ ही कुआलालंपुर की मुलाकात को सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक घटना मानना भूल होगी। जयशंकर ने जिस संतुलन, संयम और सक्रियता के साथ आसियान मंच का उपयोग किया, वह दशार्ता है कि भारत आज केवल प्रतिक्रियात्मक कूटनीति नहीं कर रहा, बल्कि अपनी शर्तों पर वैश्विक संवाद को आकार दे रहा है। वहीं, रुबियो का संयमित स्वर बताता है कि अमेरिका भी भारत को अब सिर्फ एक पार्टनर नहीं बल्कि एक पोल, यानी शक्ति के स्वतंत्र केंद्र, के रूप में देखने को तैयार हो रहा है। तनाव भले ही बाकी हों, पर संवाद जारी है और यही किसी भी परिपक्व साझेदारी की असली कसौटी होती है।

वोट बैंक की राजनीति ने अपनी सभ्यता को भी तिलांजलि दे दी

रोहित कौशिक

अपने अनर्गल बयानों के लिए चर्चित केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर मुसलमानों के संदर्भ में एक आपत्तिजनक बयान दे दिया। गिरिराज सिंह ने बिहार में आयोजित एक रैली में मुसलमानों को नमक हराम बता दिया। गिरिराज सिंह ने रैली में मुस्लिम मौलवी के साथ अपनी कथित बातचीत का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा इनसे वोट नहीं चाहती। गिरिराज सिंह ने कहा कि मुसलमान भाजपा सरकार द्वारा दी गई योजनाओं का भरपूर लाभ उठाते हैं लेकिन भाजपा को वोट नहीं देते हैं। हमें इनका वोट नहीं चाहिए। एक रैली में खुल्लमखुल्ला मुसलमानों पर विवादास्पद टिप्पणी करना यह दशार्ता है कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के दिल में मुसलमानों के प्रति कितना जहर भरा है। यह बहुत ही शर्मनाक है। ऐसे शर्मनाक बयान देना न केवल भारतीय लोकतंत्र का अपमान है बल्कि भारतीय संविधान का अपमान भी है। अगर विपक्ष का कोई नेता अनर्गल बयान दे देता है तो भारतीय जनता पार्टी उसे देशद्रोही सिद्ध कर देती है। क्या भारतीय जनता पार्टी अपने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर कोई कार्रवाई करेगी? भारतीय जनता पार्टी के इतिहास को देखते हुए तो ऐसा नहीं लगता कि वह गिरिराज सिंह पर कोई कार्रवाई करेगी। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत की माता जी के संबंध में आपत्तिजनक बात कहने वाले प्रेम शुक्ला पर भी अभी तक भारतीय जनता पार्टी ने कोई कार्रवाई नहीं की है। हालांकि यह बयान देने के बाद गिरिराज सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि मेरे बयान को गलत संदर्भ में समझा गया। मैंने कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि हमारे धर्म में हराम का खाना सही नहीं कहा गया है। यानी किसी का मुफ्त का खाना हराम है। मैं यही कह रहा हूं कि क्या मुसलमान 5 किलो अनाज नहीं ले रहे हैं? क्या प्रधानमंत्री आवास हिन्दू और मुसलमान दोनों को नहीं मिला है? क्या शौचालय हिन्दू और मुसलमान दोनों को नहीं मिला है? क्या नल-जल में हिन्दू-मुसलमान हुआ? क्या गैस सिलैंडर में हिन्दू-मुसलमान हुआ? क्या 5 किलो अनाज में हिन्दू-मुसलमान हुआ? मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं कि जो दिन-रात हाय तौबा मचा रहे हैं कि बुर्का उठेगा या नहीं उठेगा। मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं कि आप इतना चिङ्क्षतत क्यों हैं? नरेन्द्र मोदी ने कभी हिन्दू-मुसलमान नहीं किया? गिरिराज सिंह ने अपनी सफाई में ये सब बातें तो कह दीं लेकिन ये बातें कहकर भी उन्होंने अंततरू मुसलमानों को परोक्ष रूप से गलत ही बता दिया। इसका अर्थ यह है कि गिरिराज सिंह चाहते हैं कि मुसलमान सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के बदले भारतीय जनता पार्टी को वोट दें। सवाल यह है कि सरकारी योजनाएं सरकार की जिम्मेदारी है या फिर एक तरह की रिश्वत है? क्या यह रिश्वत देकर मुसलमानों से वोट की अपेक्षा की जा रही है? क्या गिरिराज सिंह सरकारी योजनाओं को रिश्वत कहना चाह रहे हैं? सरकारी योजनाओं का लाभ देकर सरकार किसी भी धर्म के लोगों पर कोई उपकार नहीं कर रही है। एक आम आदमी को बेहतर जिंदगी प्रदान करना सरकार का कर्त्तव्य है। यदि सरकार अपने इस कर्त्तव्य के बदले मुसलमानों से वोट की अपेक्षा रख रही है तो इससे बड़ा सरकारी भ्रष्टाचार और कुछ नहीं हो सकता। गिरिराज सिंह की सफाई का साफ मतलब है कि जनता को सरकारी योजनाएं प्रदान करने का उद्देश्य जनकल्याण का नहीं होता है बल्कि उसका उद्देश्य वोट बैंक होता है। इस दौर की राजनीति का सबसे बड़ा दुर्भाग्य यही है कि भाषा की मयार्दा लगातार खत्म होती जा रही है और राजनीतिक दल ऐसे नेताओं के बयानों पर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। किसी भी जाति और धर्म के खिलाफ ऐसे बयान न केवल राजनेताओं की मानसिकता प्रदघ्शत करते हैं बल्कि यह भी दिखाते हैं कि वोट बैंक की राजनीति के चक्कर में हमने अपनी सभ्यता को भी तिलांजलि दे दी है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं में मुसलमानों के प्रति जो नफरत भरी हुई है, वह उसका प्रदर्शन समय-समय पर करती रहती हैं। जाहिर है ऐसे राजनेताओं को उनके आकाओं से ही खाद-पानी मिलता है, तभी वे नफरत की राजनीति करते हैं। सवाल यह है कि मुसलमानों पर बार-बार सवाल क्यों उठाया जाता है? मुस्लिम भाइयों पर स्वयं को देशभक्त सिद्ध करने का दबाव बार-बार क्यों डाला जाता है? क्या किसी भी नेता के कहने से मुसलमान नमक हराम हो जाएंगे? आजादी की लड़ाई में मुसलमानों ने हिन्दुओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ऐसी विचारधारा के लोग मुसलमानों पर सवाल उठाते हैं जिनका आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं रहा। किसान आन्दोलन में इसी विचारधारा के लोगों ने सिखों को खालिस्तानी कहा था। मुसलमान इस देश की अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। क्या मुसलमानों के बिना इस देश की कल्पना की जा सकती है? जिस तरह उदार हिन्दुओं के बीच कट्टर हिन्दू मौजूद हैं, हो सकता है कि ठीक उसी तरह कुछ मुसलमानों के अंदर भी कट्टरता का तत्व मौजूद हो लेकिन इस आधार पर उन्हें ऐसा कहना बहुत ही शर्मनाक है।

आरएसएस की स्थापना शुरूआती दलित लामबंदी के विरुद्ध भी एक प्रतिक्रिया थी

आनंद तेलतुंबडे

पारंपरिक कहानी आरएसएस को मुख्य रूप से हिंदू-मुस्लिम दंगों और मुस्लिम प्रभुत्व के कथित खतरे के जवाब में गठित होने के रूप में प्रस्तुत करती है। हालांकि यह सांप्रदायिक आयाम वास्तविक और अच्छी तरह से प्रलेखित है, यह एक समान रूप से-यदि अधिक नहीं- महत्वपूर्ण प्रेरणा को अस्पष्ट करता हैरू ब्राह्मणवादी अभिजात वर्ग की बढ़ती जाति-विरोधी आंदोलनों के प्रति प्रतिक्रिया जो उनके सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रभुत्व को खतरे में डाल रहे थे। आरएसएस के गठन को समझने के लिए दोनों खतरों की एक साथ जांच करने की आवश्यकता हैरू मुस्लिम राजनीतिक दावे का बाहरी खतरा और ब्राह्मणवादी वर्चस्व को चुनौती देने वाले निम्न-जाति मुक्ति आंदोलनों का आंतरिक खतरा। 1925 में नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना-जिसे आज हिंदू राष्ट्रवाद की वैचारिक राजधानी के रूप में मनाया जाता है-में एक गहरा ऐतिहासिक विरोधाभास है। 20वीं सदी की शुरूआत में नागपुर केवल मध्य भारत का एक प्रांतीय शहर नहीं थाय यह गहन सामाजिक परिवर्तन का स्थल था। इस क्षेत्र में ज्योतिबा फुले के सत्यशोधक समाज का प्रसार, गैर-ब्राह्मण आंदोलनों का उदय और शुरूआती दलित राजनीतिक गतिविधि का उद्भव देखा गया था। हिंदू एकता के लिए एक खाली स्लेट होने के बजाय,

यह जातिगत टकराव और ब्राह्मण विरोधी उथल-पुथल का एक केंद्र था। इस पृष्ठभूमि में, आरएसएस के हिंदू एकता के बयान को हिंदू पहचान के एक समावेशी पुनर्गठन के रूप में कम और एक रणनीतिक प्रति-क्रांति के रूप में अधिक पढ़ा जा सकता है-मुस्लिम दावे और दलितध्गैर-ब्राह्मण लामबंदी द्वारा उत्पन्न दोहरी चुनौतियों को बेअसर करने की एक परियोजना। औपनिवेशिक काल के दौरान विदर्भ क्षेत्र में महार समुदाय के कई लोगों ने समृद्धि प्राप्त की और उन्होंने स्वाभाविक रूप से सामाजिक उत्थान की ओर कदम बढ़ाया। इस क्षेत्र में दलित आंदोलन का इतिहास जैसा कि एम.एल. कासारे 1884 से इन गतिविधियों की गवाही देते हैं। वह लिखते हैं कि पूरे विदर्भ में महारों का एक कार्यात्मक नेटवर्क था जो कल्याण और सुधार गतिविधियों में सक्रिय था। इसके अलावा, इसका उद्देश्य हिंदू समाज के ढांचे के भीतर और कानूनी तरीके से अछूतों की दुर्दशा और मानवाधिकारों के बारे में दूसरों को जागरूक करना भी था। किसन फागोजी बंसोडे जैसे कई उल्लेखनीय स्थानीय नेता उभरे, लेकिन पश्चिमी महाराष्ट्र से महात्मा फुले, गोपाल बाबा वालंगकर और शिवराम जनबा कांबले से प्रभावित समानांतर नेटवर्क भी थे। महार नेताओं के बीच विठ्ठल रामजी शिंदे के भी काफी अनुयायी थे। 19वीं सदी के आखिर से, विदर्भ सत्यशोधक आंदोलन के प्रसार में एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है, जिसने ब्राह्मणवादी सत्ता को खारिज कर दिया और सभी मनुष्यों की समानता की घोषणा की। जाति पदानुक्रम पर फुले की कट्टर आलोचना इस क्षेत्र के शूद्र और दलित समुदायों के बीच गूंजी। उनके अनुयायियों ने नागपुर, अमरावती और वर्धा के मराठी भाषी जिलों में सत्यशोधक समाज की शाखाएँ स्थापित कीं, और शिक्षा, तर्कवाद और सामाजिक समानता के उनके कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। 1908 में विठ्ठल रावजी मून पांडे, एक पुराने जमाने के समुदाय सुधारक, ने महार सभा की स्थापना की, जो अंबेडकर-पूर्व दलित आंदोलन में एक बहुत महत्वपूर्ण संगठन बन गया। इसने 13-15 अप्रैल 1913 को टाउन हॉल, नागपुर में एक ऐतिहासिक सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें पूरे मराठी भाषी क्षेत्र के समुदाय के नेताओं ने भाग लिया। सभा में न केवल मालगुजार, साहूकार, ठेकेदार, दलाल, लकड़ी के व्यापारी, पटवारी, क्लर्क, शिक्षक, संत, पुजारी, शेट्ये और अन्य संपन्न महार शामिल थे, बल्कि पुणे के शिवराम जनबा कांबले, मुंबई के धोंडीबा नारायण गायकवाड़, नासिक के धर्मदास संत और पंढरपुर के बापूजी पांडे जैसे लोग भी शामिल थे।.

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कितनी देर टिकेगा युद्ध विराम

आखिरकार गत दिनों अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच एक सप्ताह तक चले युद्ध का कतर और तुर्की के हस्तक्षेप से अंत हो गया।

अफगानिस्तान में 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच यह अब तक का सबसे भयावह युद्ध था। इसमें पाकिस्तान के हमलों व अफगानिस्तान द्वारा पाकिस्तान पर जवाबी हमले से दर्जनों लोगों की मौत हुई। अफगानिस्तान के अनुसार पाकिस्तान के हमलों से 3 क्रिकेट खिलाडियों सहित उसकी सिविलियन आबादी मरी है जबकि इस्लामाबाद का कहना है कि उसने केवल आतंकियों को निशाना बनाया। पाकिस्तान के लिहाज से दोनों देशों में युद्ध विराम की खुशी जल्दी ही खत्म हो गई जब कतर सरकार ने संभवतः तालिबान के दबाव के अधीन अपने पहले बयान को बदल कर अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर तनाव समाप्त करने संबंधी उल्लेख हटा कर पाकिस्तान को उलझन में डाल दिया। हालांकि फिलहाल अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान में युद्ध विराम हो गया है, परंतु दोनों देशों में अभी भी पश्तून समस्या तथा डूरंड लाइन जैसे मुद्दे फंसे हुए हैं। डूरंड लाइन अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच लगभग 2640 किलोमीटर लम्बी सीमा है जो 1893 में ब्रिटिश भारत और अफगानिस्तान के बीच स्थापित की गई थी। इसका नाम ब्रिटिश भारत के तत्कालीन विदेश सचिव सर हैनरी मोर्टिमर डूरंड के नाम पर रखा गया था। इसका पश्चिमी छोर ईरान सीमा से तथा पूर्वी छोर चीनी सीमा से मिलता है। यह अफगानिस्तान की आपत्तियों के कारण 1947 में पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के बाद से दोनों देशों के बीच संघर्ष का महत्वपूर्ण कारण बनी हुई है। पाकिस्तान तो इसे स्वीकार करता है परंतु अफगानिस्तान के शासकों का कहना है कि वे तो इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे। हाल ही में अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान के रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब के डूरंड लाइन को लेकर दिए एक बयान ने इस मुद्दे को फिर से गर्मा दिया है। अतरू हो सकता है कि इसे लेकर दोनों देश आपस में फिर उलझ जाएं। आजकल पाकिस्तान अपना कूटनीतिक झंडा हर जगह गाड़ रहा है, परंतु इसके सर्वाधिक करीबी अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान की शायद न बने क्योंकि अफगानिस्तान का कहना है कि पख्तून वाला आधा इलाका उसका है जो पाकिस्तान कभी भी अफगानिस्तान को देना स्वीकार नहीं करेगा। पाकिस्तान तथा अफगान तालिबान के बीच डूरंड लाइन तथा पश्तून समस्या के निपटारे बिना स्थायी शांति का स्थापित होना असंभव ही दिखाई देता है।

प्रतिका रावल महिला विश्व कप से बाहर, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले भारत को झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम की स्टार ओपनर प्रतिका रावल चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। बांग्लादेश के खिलाफ नवी मुंबई में खेले गए आखिरी लीग स्टेज मैच में प्रतिका कैच पकड़ते वक्त चोटिल हो गईं, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका लगा है। टीम की स्टार ओपनर प्रतिका रावल चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। बांग्लादेश के खिलाफ नवी मुंबई में खेले गए आखिरी लीग स्टेज मैच में प्रतिका कैच पकड़ते वक्त चोटिल हो गईं, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। बीसीसीआई के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, 'जिस तरह से वह गिरी, उससे साफ हो गया कि वह नॉकआउट मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।'

एक्ट्रेस तेजस्विनी लोनारी ने की गुपचुप सगाई

शिवसेना नेता समाधान सरवनकर संग की नई शुरूआत

मराठी सिनेमा और टेलीविजन की जानी-मानी एक्ट्रेस तेजस्विनी लोनारी ने अपने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दी है। बिग बॉस मराठी सीजन 4 की होस्ट रह चुकी तेजस्विनी ने चुपचाप सगाई कर ली है। एक्ट्रेस की सगाई की तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिन्हें देखकर फैंस उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। तेजस्विनी लोनारी ने 27 अक्टूबर 2025 को शिवसेना नेता समाधान सरवनकर के साथ सगाई की। यह समारोह बेहद निजी रखा गया, जिसमें सिर्फ परिवार के सदस्य और करीबी रिश्तेदार शामिल हुए। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में तेजस्विनी और समाधान एक-दूसरे को अंगूठी पहनाते नजर आ रहे हैं। दोनों के चेहरे पर खुशी और प्यार साफ झलक रहा है। सगाई के इस खास मौके पर तेजस्विनी लोनारी पारंपरिक मराठी लुक में नजर आईं। उन्होंने खूबसूरत साड़ी और पारंपरिक ज्वेलरी पहन रखी थी, जिसने उनके लुक को रॉयल टच दिया। वहीं, समाधान सरवनकर ने एथनिक कुर्ता-पायजामा पहना और बेहद एलिगेंट लगे। बता दें, तेजस्विनी मराठी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने कई हिट टीवी शोज और फिल्मों में काम किया है। बिग बॉस मराठी सीजन 4 में बतौर होस्ट उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

शिबानी-फरहान का वेकेशन रोमांस, बिकिनी में दिखा शिबानी का हॉट लुक

बॉलीवुड कपल शिबानी दांडेकर और फरहान अख्तर ने हाल ही में वेकेशन पर बिताए गए रोमांटिक पलों की तस्वीरें साझा कर फैंस को कपल गोल्स का नया अंदाज दिखाया। बीच किनारे क्वॉलिटी टाइम बिताते हुए दोनों अपने प्यार का खुलकर इजहार

करते नजर आए, जिसमें शिबानी फरहान की बांहों में रोमांटिक अंदाज में दिखाई दीं। बॉलीवुड कपल शिबानी दांडेकर और फरहान अख्तर फैंस को बार-बार कपल गोल्स देते नजर आते हैं। हाल ही में, शिबानी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वेकेशन की रोमांटिक फोटोज शेयर की हैं, जिसमें दोनों बीच किनारे क्वॉलिटी टाइम बिताते दिखे। एक तस्वीर में फरहान को शिबानी को गाल पर किस करते हुए देखा गया, जो उनके रोमांटिक वेकेशन का खास पल साबित हुआ। शिबानी ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, बीच, सन, सैंड और जिंदगीभर साथ रहने वाली यादें। लव यू फरहान। फोटोज में शिबानी को फरहान की बांहों में नजर आते हुए देखा जा सकता है, जबकि कपल अपने प्यार में पूरी तरह डूबा नजर आया। वेकेशन के दौरान शिबानी का ग्लैमरस अवतार फैंस को काफी आकर्षित कर रहा है। उन्होंने पोलका डॉट बिकिनी में स्टनिंग लुक दिखाया, जिसमें उनका परफेक्ट शेप और फिटनेस साफ नजर आ रही थी। फैंस ने उनकी इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया। शिबानी और फरहान की ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी केमिस्ट्री, स्टाइल, और रोमांटिक पलों की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

राखी सावंत ने उर्वशी रौतेला से तुलना पर तोड़ी चुप्पी, कहा मैं झूठ नहीं बोलती

बॉलीवुड की जानी-मानी और हमेशा सुर्खियों में रहने वाली राखी सावंत ने हाल ही में एक इवेंट के दौरान अभिनेत्री उर्वशी रौतेला से अपनी तुलना किए जाने पर अपनी नाराजगी जाहिर की। राखी ने कहा कि वे झूठ नहीं बोलतीं और उनका अंदाज पूरी तरह से अलग है। इस दौरान उन्होंने अपनी

महंगी ज्वेलरी और ग्लैमरस लुक से भी सबका ध्यान खींचा। ज्वेलरी और लुक की चर्चा के बीच, जब उनसे यह पूछा गया कि क्या वे अभिनेत्री उर्वशी रौतेला के साथ प्रतिस्पर्धा महसूस करती हैं, तो राखी सावंत ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मैं उर्वशी रौतेला की तरह झूठ नहीं बोलती। मेरी तुलना आप ब्रिटनी स्पीयर्स, जेनिफर लोपेज, शकीरा, पेरिस हिल्टन और किम कार्दशियन से करें। राखी ने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि उनका गाना जरूरत और उर्वशी का गाना दोनों ही अलग हैं, और उनकी तुलना करना सही नहीं। इवेंट में राखी सावंत ने सुनहरे रंग के हेडपीस और चमकदार चांदी का हार पहनकर लहंगा-चोली में एंट्री ली। उन्होंने बताया कि उनके हेडपीस की कीमत लगभग 50 करोड़ और हार की कीमत 20 करोड़ रुपए है। इस लुक के साथ उनका अंदाज भी काफी आकर्षक रहा। राखी की टिप्पणियों के तुरंत बाद उनके पास की एक लाइट बुझ गई, जिस पर उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, इतना मनहूस था क्या गाना? इस दौरान उनकी बातचीत और हाव-भाव ने इवेंट में मौजूद लोगों का मनोरंजन कर दिया। राखी सावंत का नया गाना जरूरत रोमांटिक शैली में है। इस गाने को सैफ अली ने गाया और संगीतबद्ध किया है, जबकि बोल आयुष ने लिखे हैं। गाने में राखी, अभिनेता शाहबाज खान के साथ रोमांटिक अंदाज में नजर आ रही हैं। यह गाना फैंस के बीच काफी चर्चा में है और रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सलमान खान ने जीजा आयुष को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई, वायरल हुआ भाईजान का पोस्ट

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपने परिवार के बेहद करीब हैं। वह जब भी मौका मिलता है, अपने प्रियजनों पर प्यार बरसाने से नहीं चूकते। चाहे किसी का बर्थडे हो या कोई खास अवसर-सलमान हमेशा सोशल मीडिया पर अपने फैमिली मेंबर्स के लिए दिल से पोस्ट शेयर करते हैं। हाल ही में सलमान ने जीजा और एक्टर आयुष शर्मा के बर्थडे पर भी उन्हें बेहद खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं। दरअसल, आयुष शर्मा ने 26 अक्टूबर को अपना 35वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस मौके पर सलमान खान ने अपनी फिल्म अंतिमरू द फाइनल ट्रुथ से एक यादगार तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस फोटो में दोनों एक फाइट सीन के दौरान आमने-सामने नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा- हैप्पी बर्थडे आयुष। भाईजान का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। फैंस ने भी कमेंट सेक्शन में आयुष शर्मा को ढेरों शुभकामनाएं दीं और दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री की तारीफ की। बता दें कि सलमान और आयुष की यह फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता नहीं पा सकी थी, लेकिन दोनों की परफॉर्मेंस को दर्शकों ने खूब सराहा था।बता दें, आयुष शर्मा ने साल 2014 में सलमान खान की बहन अर्पिता खान से शादी की थी। दोनों आज दो बच्चों-बेटे आहिल और बेटी आयत- के प्यारे माता-पिता हैं। अर्पिता अक्सर सोशल मीडिया पर अपने परिवार की झलकियां शेयर करती रहती हैं, जो फैंस को काफी पसंद आती हैं।

12 साल के एक्टिंग करियर में सिर्फ एक हिट फिल्म, अब ऐसे किरदार में दिखेंगे श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत

आज सोमवार को फिल्म 'ह्यूमन कोकेन' की रिलीज डेट पर अपडेट सामने आया है। इसमें श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर भी नजर आएंगे। फिल्म में उनकी क्या भूमिका होगी? यह जानने से पहले एक नजर उनके करियर पर डालते हैं... अभिनेत्री श्रद्धा कपूर जहां इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं। मैडॉक की 'स्त्री' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्मों ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचाया है। वहीं, तुलनात्मक रूप

से उनके भाई सिद्धांत कपूर का करियर काफी पीछे है। यूं तो इंडस्ट्री में उन्हें 12 साल गुजर गए, मगर पूरे करियर में वे सिर्फ एक हिट फिल्म का हिस्सा बन पाए हैं। इन दिनों सिद्धांत अपनी आगामी फिल्म को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। इस फिल्म में नजर आएंगे सिद्धांत सिद्धांत कपूर की आगामी फिल्म का नाम है, 'ह्यूमन कोकेन'। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। सिद्धांत के अलावा फिल्म में इशिता राज, जाकिर हुसैन, पुष्कर जोग और ब्रिटिश एक्टर्स नजर आएंगे। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें स्टारकास्ट के लुक शेयर किए हैं। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट बताई है। 'ह्यूमन कोकेन' 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म में सिद्धांत कपूर का लुक देखने लायक है। कौन हैं सिद्धांत कपूर? सिद्धांत कपूर बॉलीवुड फिल्मों में खूंखार विलेन का किरदार अदा करने वाले शक्ति कपूर और शिवांगी कोल्हापुरी के बेटे हैं। श्रद्धा कपूर उनकी बहन हैं। सिद्धांत कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। हालांकि, उन्होंने इंडस्ट्री में करियर की शुरूआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। सिद्धांत कपूर ने फिल्मों में करियर की शुरूआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। उन्होंने ली स्ट्रेसबर्ग थिएटर एन्ड फिल्म इंस्टीट्यूट से फिल्ममेकिंग और एक्टिंग का कोर्स किया। इसके बाद एक डिस्क जॉकी के रूप में शुरूआत की। सिद्धांत ने करीब दो साल तक प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। इनमें 'चुप चुपके', 'भूल भुलैया', 'भागम भाग', 'और 'ढोल' जैसी फिल्में शामिल हैं। 2013 में शुरू किया अभिनय सिद्धांत कपूर के अभिनय करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2013 में पहली बार फिल्म 'शूटआउट एट वडाला' में अभिनय किया। इसमें जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही थी। इसके बाद सिद्धांत ने 'अगली' में असिस्ट भी किया और एक छोटे से रोल में भी नजर आए। सिद्धांत 'जज्बा', 'हसीना पारकर', 'पलटन', 'हेलो चार्ली' 'भूत-पार्ट 1' और 'चेहरे' शामिल हैं। सिद्धांत वेब सीरीज 'भौकाल' में भी नजर आ चुके हैं। उनका किरदार नेगेटिव था। इस साल सिद्धांत को नेटफ्लिक्स की सीरीज 'मंडला मर्डर्स' में देखा गया था। इसके अलावा बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि सिद्धांत ने 1997 में आई सलमान खान की फिल्म 'जुड़वां' में भी अभिनय किया था। वह रंगीला के रूप में नजर आए थे।

ये एक बुरी नजर थी..युविका चौधरी ने कबूली प्रिंस संग अनबन की बात, बताया कैसे संभाला रिश्ता

टीवी इंडस्ट्री के फेमस कपल प्रिंस नरूला और युविका चौधरी कुछ दिनों पहले अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब सुर्खियों में आए थे। उनके पहले बच्चे, एकलीन के जन्म के तुरंत बाद ही अफवाहें फैलने लगी कि दोनों की शादीशुदा जिंदगी में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा और दोनों अलग हो गए हैं। हालांकि, इसके बावजूद भी कई बार दोनों को एक साथ देखा गया। वहीं, अब हाल ही में युविका चौधरी ने पति प्रिंस से अलग होने की खबरों पर चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, हाल ही में युविका चौधरी ने गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के एक व्लॉग में अपनी निजी जिंदगी के बारे में खुलकर बात की। इस नए एपिसोड में, युविका, सुनीता के साथ एक मंदिर जाती हैं, जहां दोनों चर्चा करती हैं कि कैसे नजर (बुरी नजर) जीवन के विभिन्न पहलुओं पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। सुनीता आहुजा कहती हैं-मुझे पता चल जाता है कि मुझ पर, मेरे बच्चों पर या मेरे परिवार पर किसकी बुरी नजर है या कौन काला जादू करता है। मुझे यह आभास हमेशा होता है। परिवार के अंदर और बाहर भी कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनकी बुरी नजर होती है। आज गोविंदा और मैं इंडस्ट्री के सबसे अच्छे कपल हैंय यह बात सबको पता है। हमने साथ में बहुत काम किया है, और अक्सर परिवार को ही बुरी नजर लग जाती है जब वह अपनी पत्नी और बच्चों की बात मानता है। मैं हमेशा अपने परिवार को दोष देती हूं क्योंकि वे दूसरों को खुश नहीं देख सकते। फिर सुनीता युविका से पूछती हैं कि उन्होंने कुछ समय पहले सुना था कि युविका और प्रिंस की शादी में भी कुछ अनबन चल रही थी क्या असलियत में ऐसा कुछ था? इस पर युविका कहती हैं, ष्यह बुरी नजर थी। जब आप लोगों की नजरों में इतने ज्यादा आ जाते हैं, तो आपकी एनर्जी बदल जाती है। सुनीता ने पूछा कि इस मुश्किल दौर से उन्होंने कैसे निपटा, तो युविका ने कहा, ष्मैंने सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया। मैं आध्यात्मिक हो गई और खुद से प्यार करने लगी, जिससे मुझे उन समस्याओं से उबरने में मदद मिली।ष इस पर सुनीता ने कहा, ष्यह सब एक दौर है। जो होना तय है, उसे कोई नहीं रोक सकता। जो कोई भी घर तोड़ने की कोशिश करेगा, भगवान उसे सजा देंगे, और हम उसे देखेंगे।

सोने में हालिया तेजी से परिवारों की नेटवर्थ तो बढ़ी पर खपत बेअसर, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने के दामों में हालिया तेजी ने भारतीय परिवारों की कुल संपत्ति में तो इजाफा किया है, लेकिन इसका उपभोग पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं दिखा है। सिस्टमैटिक्स रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, सोने की कीमतों में उछाल से घरेलू संपत्ति कागज पर तो बढ़ गई है, लेकिन इसका असर व्यापक उपभोग वृद्धि के रूप में दिखाई नहीं दे रहा। आय पिछले कुछ वर्षों से सुस्त बनी हुई है रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में उपभोग का वास्तविक चालक आय में वृद्धि है। यह पिछले कुछ वर्षों में सुस्त बनी हुई है खासकर कोविड के बाद के-शेप्ड रिकवरी के दौरान। ऐसे में सोने की कीमतों में उछाल के बावजूद खपत में तेज सुधार नजर नहीं आ रहा है। सोने की बढ़ती किमतें नेशनल वेल्थ इफेक्ट करती हैं पैदा इसमें बताया गया है कि सोने की बढ़ती कीमतें मुख्य रूप से नेशनल वेल्थ इफेक्ट पैदा करती हैं, इसका मतलब है कि सोने का मूल्य बढ़ने से परिवारों की नेट वर्थ तो अधिक दिखाई देती है, लेकिन खर्च तब तक नहीं बढ़ता, जब तक सोने को बेचा न जाए। आमतौर पर परिवार सोना तभी बेचते हैं जब आर्थिक संकट हो, इसलिए यह संपत्ति बढ़ोतरी उपभोग को गति देने में प्रभावी नहीं बन पाती।

ट्रंप ने फिर उठाया 2020 चुनाव धांधली का मुद्दा

न्याय विभाग से की जांच की मांग, बताई- सबसे बड़ी हेराफेरी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान कथित चुनावी धांधली की न्याय विभाग (डीओजे) से जांच कराने की मांग की और इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2020 के कथित चुनावी धांधली की न्याय विभाग (डीओजे) से जांच की मांग की है। इसी के साथ ट्रंप ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ी हेराफेरी करार दिया। इसी के साथ ट्रंप ने चुनाव में धांधली रोकने के संभावित प्रयासों के रूप में डाक द्वारा या समय से पहले मतदान को रोकने और वोट डालने के लिए मतदाता पहचान पत्र की वकालत की है। डोनाल्ड ट्रंप ने कैलिफोर्निया के प्रस्ताव 50 की भी आलोचना की, जिसमें कांग्रेस के जिलों का पुनर्निर्धारण किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया और इसकी तुलना एनबीए जुआ घोटाले से की। उन्होंने लिखा,2020 का राष्ट्रपति चुनाव, धांधली और चोरी का शिकार होना, एक बहुत बड़ा घोटाला है। देखिए हमारे देश का क्या हुआ जब एक कुटिल मूर्ख हमारा राष्ट्रपति बन गया! अब हमें सब कुछ पता है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे उम्मीद है कि न्याय विभाग इस मामले को अमेरिकी इतिहास के सबसे बड़े घोटाले के अनुरूप जोश से आगे बढ़ाएगा! अगर ऐसा नहीं हुआ, तो यह फिर से होगा, जिसमें आगामी मध्यावधि चुनाव भी शामिल हैं। प्रस्ताव 50 के लिए मतदान पूरी तरह से बेईमानी-ट्रंप इसी के साथ ट्रंप ने आगे आरोप लगाया कि कैलिफोर्निया के प्रस्ताव संख्या 50 के लिए मतदान पूरी तरह से बेईमानी है और आरोप लगाया कि लाखों मतपत्र राज्य में भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, कोई डाक या जल्दी मतदान नहीं, मतदाता पहचान पत्र के लिए हा! लाखों मतपत्र भेजे जा रहे हैं। होशियार हो जाओ रिपब्लिकन,

इससे पहले कि बहुत देर हो जाए!!! कैलिफोर्निया का प्रस्ताव 50 एक संवैधानिक संशोधन बता दें कि कैलिफोर्निया में प्रस्ताव 50, डेमोक्रेट्स को एक स्वतंत्र आयोग द्वारा तैयार किए गए नक्शों को नए नक्शों से बदलने की अनुमति देगा, जिनका उपयोग आगामी मध्यावधि चुनावों में किया जाएगा और राज्य में कांग्रेस के जिलों का पुनर्निर्धारण किया जाएगा। इस योजना से रिपब्लिकन पार्टी के कब्जे वाली अमेरिकी सदन की पांच सीटें संभावित रूप से पलट सकती हैं। डेमोक्रेट्स का तर्क है कि टेक्सास जैसे राज्यों में रिपब्लिकन के नेतृत्व वाली गेरीमैंडरिंग का मुकाबला करने के लिए उनका यह प्रयास जरूरी है। 2020 का चुनाव हार गए थे ट्रंप गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रम्प, जो अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति भी थे, 2020 का चुनाव हार गए थे, जिससे बाइडेन को एक कार्यकाल के लिए सत्ता में आने का मौका मिला, जिसके बाद ट्रम्प 2024 में फिर से जीत गए। पिछले वर्षों में ट्रम्प ने बार-बार दावा किया है कि 2020 के चुनावों में धांधली हुई थी, यहां तक कि उन्होंने यह भी कहा कि वह लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर बने हुए हैं, क्योंकि उन्होंने वास्तव में चुनाव जीता था।

नेपाल में हाई-एल्टीट्यूड सिकनेस से चार लोगों की मौत, मृतकों में सामान ढाने वाले और पर्वतारोही शामिल

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में ऊंचाई से जुड़ी बीमारी (हाई-एल्टीट्यूड सिकनेस) के कारण चार लोगों की मौत हो गई। इसमें सामान ढोने वाले और पर्वतारोहक शामिल हैं। हाल ही में अन्नपूर्णा और कंचनजंगा क्षेत्र में भी पर्यटक और पर्वतारोही इस बीमारी का शिकार हुए, जिन्हें समय रहते बचाया गया। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में अलग-अलग घटनाओं में ऊंचाई वाले क्षेत्र से जुड़ी बीमारी (हाई-एल्टीट्यूड सिकनेस) के कारण चार लोगों की मौत हो गई। इनमें सामान ढोने वाले और पर्वतारोही शामिल हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। गंडकी प्रांत के मनांग जिले में सामान

ढोने वाले दिल बहादुर गुरुंग और सांगा घाले व पर्वतारोही राम बहादुर थापा मगर की मौत हुई। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने एक बयान में बताया कि गुरुंग और घाले विदेशी पर्वतारोहियों का सामान ले जा रहे, तभी उन्हें ऊंचे क्षेत्र से जुड़ी बीमारी हो गई और बाद में उनकी मौत हो गई। एनडीआरआरएमए ने बताया, पर्वतारोहण से लौटने के बाद राम बहादुर को उनके होटल के कमरे में मृत पाया गया। इसी तरह, कास्की जिले के अन्नपूर्णा बेस कैंप क्षेत्र में पर्वतारोहण के दौरान ऊंचाई वाले क्षेत्र की बीमारी से पीड़ित नेपाली नागरिक सूरज मान श्रेष्ठ की शनिवार को उनके होटल में मृत्यु हो गई। इसके अलावा, एक स्पेनिश नागरिक (31 वर्षीय) उत्तरी कंचनजंगा पर्वत के बेस कैंप से लौट रहे थे, शनिवार को वह भी इस बीमारी से पीड़ित हो गए।

बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन पर साधा निशाना

अमेरिकियों से बोले- यह काले दिन हैं, फिर से उठो...

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका में घटती अभिव्यक्ति की आजादी और डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ती शक्तियों पर चिंता जताते हुए इन दिनों को 'काले दिन' कहा। उन्होंने कहा कि अमेरिका हमेशा से बोलने की आजादी और लोकतंत्र का प्रतीक रहा है और कठिन समय में भी देश फिर से मजबूती से खड़ा होगा। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जो बाइडन ने अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शक्ति की सीमाओं की जांच पर प्रतिक्रिया दी है। पूर्व राष्ट्रपति ने इन दिनों को 'काले दिन' करार दिया और अमेरिकियों से कहा कि वे आशावादी बने रहें और हताश न हों। उन्होंने कहा, 'दुनिया के इतिहास में अपनी स्थापना के समय से ही अमेरिका शक्तिशाली विचार का प्रतीक रहा है। यह

विचार किसी भी सेना से मजबूत है। हम किसी भी तानाशाह से अधिक ताकतवर हैं।' प्रोस्टेट कैंसर के लिए रेडिएशन थेरेपी पूरी करने के बाद बाइडन (82 वर्षीय) ने पहला सार्वजनिक भाषण दिया। उन्होंने रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) बोस्टन में एडवर्ड एम. कैनेडी इंस्टीट्यूट से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, अमेरिका ऐसे राष्ट्रपति पर निर्भर करता है, जिसकी शक्ति सीमित हो, एक काम करने वाली कांग्रेस हो और न्यापालिका स्वतंत्र हो। उन्होंने कहा कि संघीय सरकार अपने दूसरे सबसे लंबे शटडाउन का सामना कर रही है। लेकिन ट्रंप ने इसे भी सत्ता पर नई पकड़ बनाने के लिए इस्तेमाल किया। बाइडन ने कहा, दोस्तों, मैं इसे छिपा नहीं सकता। ये काले दिन हैं। उन्होंने भविष्यवाणी की कि देश फिर से अपनी सही दिशा पाएगा और जैसा हमेशा होता आया है। अगर हम भरोसा बनाए रखते हैं, तो एक मजबूत, समझदार और अधिक लचीला, अधिक न्यायपूर्ण अमेरिका उभरेगा। बाइडन ने उन लोगों के उदाहरण भी दिए, जो मौजूदा प्रशासन से धमकियों के बावजूद अपने अधिकारों के लिए खड़े हुए हैं। उन्होंने उन संघीय कर्मचारियों का जिक्र किया, जिन्होंने विरोध में इस्तीफा दिया। उन्होंने उन विश्वविद्यालयों और हास्य कलाकारों का भी जिक्र किया, जिन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के निशाने का सामना किया। बाइडन ने उन निर्वाचित रिपब्लिकन पदाधिकारियों की भी सराहना की, जो ट्रंप प्रशासन के खिलाफ वोट करते हैं या खुलकर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका कोई काल्पनिक कहानी नहीं है। पिछले ढाई सौ वर्षों से यह खतरे और संभावनाओं के बीच निरंतर संघर्ष कर रहा है। उन्होंने अपने भाषण को लोगों से कहकर समाप्त किया- फिर से उठो। बाइडन ने जनवरी में एक कार्यकाल पूरा करने के बाद राष्ट्रपति पद छोड़ा। उन्होंने दोबारा चुनाव लड़ने की कोशिश तब छोड़ दी थी।

राजनीतिक जनसभाओं के लिए 10 दिनों में एसओपी बनाए सरकार, करूर हादसे पर हाईकोर्ट का सख्त निर्देश

मद्रास (एजेंसी)। सुनवाई के दौरान एडिश्नल एडवोकेट जनरल जे रविंद्रन ने पीठ को बताया कि जब तक रडढ नहीं बन जाती, तब तक किसी भी

राजनीतिक पार्टी को रैलियां/रोडशो करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। मद्रास हाईकोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया है कि वे 10 दिनों के भीतर राज्य में राजनीतिक पार्टियों की जनसभाओं और रोडशो के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार करें। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस जी अरुल मुरुगन की पीठ ने करूर भगदड़ हादसे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए। बीती 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में अभिनेता और तमिलगा वेत्री कषगम के नेता विजय की रैली में भगदड़ हो गई थी, जिसमें 41 लोगों की मौत हुई थी। क्या हुआ सुनवाई के दौरान सुनवाई के दौरान एडिश्नल एडवोकेट जनरल जे रविंद्रन ने पीठ को बताया कि जब तक रडढ नहीं बन जाती, तब तक किसी भी राजनीतिक पार्टी को रैलियां/रोडशो करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। हालांकि उन्हें सार्वजनिक बैठकें करने से नहीं रोका जाएगा। इस पर पीठ ने पूछा कि एसओपी का ड्राफ्ट कब तक बन जाएगा, तो उन्होंने बताया कि राज्य सरकार को पुलिस, अग्निशमन विभाग, नागरिक निकायों समेत कई विभागों से सलाह लेनी होगी और फिर इसे बनाना होगा। उन्होंने रडढ बनाने के लिए कुछ और समय मांगा। अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी इसके बाद पीठ ने कहा कि राज्य सरकार को 10 दिनों के अंदर एसओपी बनाना होगा, नहीं तो अदालत आदेश पास कर देगी। पीठ ने याचिकाओं की अगली सुनवाई के लिए 11 नवंबर की तारीख तय की। इससे पहले, पीठ ने टीवीके के महासचिव एन आनंद की तरफ से दायर अग्रिम जमानत याचिका को 'वापस ले लिया गया' मानकर खारिज कर दिया। विजय ने पीड़ित परिवारों के सदस्यों से की मुलाकात वहीं तमिलगा वेत्री कषगम (ळ्श्ङ) प्रमुख विजय ने करूर भगदड़ हादसे के पीड़ितों के परिवारों से सोमवार को मुलाकात की।

सरकारी बंद के बीच करोड़ों लोगों पर भूख की मार, 1 नवंबर से मुफ्त भोजन कार्यक्रम बंद! नोटिस जारी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में 1 अक्तूबर से चल रहा सरकारी शटडाउन आम जनता के लिए मुसीबत बन चुका है। इस बीच करोड़ों लोगों के लिए मुफ्त भोजन कार्यक्रमों पर संकट मंडरा रहा है। ट्रंप प्रशासन ने एक नोटिस जारी किया है, जिसके तहत एक नवंबर से कोई संघीय खाद्य सहायता नहीं दी जाएगी। वेबसाइट पर नोटिस जारी किया अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने अपनी वेबसाइट पर एक नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि सरकारी बंद के कारण 1 नवंबर से

संघीय खाद्य सहायता भत्ते जारी नहीं किए जाएंगे। यह नोटिस देशभर के लाखों परिवारों के लिए गंभीर संकट पैदा कर रहा है, क्योंकि सरकारी बंद अब रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। फूड स्टैंप्स पर मंडराया खतरा यह नया नोटिस ट्रंप प्रशासन द्वारा यह कहने के बाद आया है कि वह पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (एसएनएपी), जिसे आमतौर पर फूड स्टैंप्स के नाम से जाना जाता है। उसमें नवंबर तक लाभ जारी रखने के लिए लगभग 5 अरब अमेरिकी डॉलर की आकस्मिक निधि का उपयोग नहीं करेगा। फूड स्टैंप्स अमेरिका के लगभग आठवें में से एक नागरिक को किराने का सामान खरीदने में मदद करता है। यूएसडीए ने नोटिस में क्या बताया? यूएसडीए के नोटिस में कहा गया है, सच्चाई यह है कि धनराशि समाप्त हो चुकी है। वर्तमान में 1 नवंबर को कोई भत्ता जारी नहीं किया जाएगा। हम सीनेट डेमोक्रेट्स के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच चुके हैं। 1 अक्तूबर से शुरू हुआ यह बंद अब रिकॉर्ड में दूसरा सबसे लंबा बंद है।

'इंटरनेट को केवल गूगल के हाथ में न छोड़ें...', परप्लेक्सिटी के सीईओ अरविंद श्रीनिवास का बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। परप्लेक्सिटी के सीईओ अरविंद श्रीनिवास ने कंपनी के नए कॉमेट एआई ब्राउजर को बढ़ावा देते हुए कहा कि इंटरनेट को केवल गूगल के हाथों में ही नहीं छोड़ा जाना चाहिए। कंपनी ने पहले गूगल के क्रोम ब्राउजर को 34.5 अरब डॉलर में खरीदने की पेशकश की थी। कॉमेट ब्राउजर क्रोमियम फ्रेमवर्क पर आधारित है, इसमें एआई-असिस्टेंट, टैब और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, कंटेंट जनरेशन जैसी सुविधाएं हैं और फिलहाल यह भारत में विंडोज, मैकओएस और एंड्रॉइड यूजर्स के लिए उपलब्ध है। परप्लेक्सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरविंद श्रीनिवास ने फिर से अपनी कंपनी के नए कॉमेट एआई (उङ्की३ अक) ब्राउजर को बढ़ावा दिया है। इसका मकसद इंटरनेट पर गूगल के दबदबे को कम करना है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उन्होंने कॉमेट ब्राउजर का एक छोटा वीडियो साझा करते हुए लिखा, 'इंटरनेट बहुत अहम है, इसे गूगल के हाथ में नहीं छोड़ा जाना चाहिए।' श्रीनिवास की कंपनी ने गूगल के लोकप्रिय क्रोम ब्राउजर को 34.5 अरब डॉलर में खरीदने की पेशकश की थी। इसके बाद परप्लेक्सिटी ने अपना खुद का एआई-संचालित ब्राउजर कॉमेट लॉन्च किया, जो गूगल क्रोम का प्रतिद्वंद्वी है। यह ब्राउजर क्रोमियम ओपन-सोर्स फ्रेमवर्क पर

बनाया गया है और उपयोगकताओं (यूजर्स) को वही अनुभव देने का दावा करता है, जिससे वह पहले से परिचित है। क्रोम को क्यों खरीदना चाहता था परप्लेक्सिटी? अगस्त में परप्लेक्सिटी ने गूगल के क्रोम ब्राउजर को खरीदने के लिए 34.5 अरब डॉलर की नकद पेशकश की। तीन साल पुराने इस स्टार्टअप ने औपचारिक रूप से गूगल को यह पेशकश भेजी, जबकि खुद की संपत्ति कुल 18 अरब डॉलर थी। क्रोम के दुनियाभर में तीन अरब से अधिक यूजर्स हैं। इसलिए अगर परप्लेक्सिटी इसे खरीद लेती, तो उसे एआई आधारित खोज (सर्च) में गूगल जैसी बड़ी कंपनी के साथ प्रतिस्पर्धा करने में बहुत फायदा मिलता। परप्लेक्सिटी ने अपनी 34.5 अरब डॉलर की पेशकश में नियामक और यूजर्स चिंताओं का समाधान करने की प्रतिबद्धता भी शामिल की थी। कंपनी ने योजना बनाई थी कि दो वर्षों में क्रोम के विकास और बुनियादी ढांचे में तीन अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा। क्रोमियम को ओपन सोर्स रखा जाएगा और क्रोम की डिफॉल्ट सर्च सेटिंग में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। यह पेशकश उस समय की गई, जब अमेरिकी न्याय विभाग ने गूगल को क्रोम को बेचने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया। एक जज ने तब फैसला दिया कि गूगल इंटरनेट सर्च में गैरकानूनी एकाधिकार रखता है। न्याय विभाग की दलील थी कि क्रोम को अलग करने से गूगल के सर्च नियंत्रण को रोका जा सकेगा और प्रतिद्वंद्वी सर्च इंजन के लिए अवसर खोले जाएंगे। परप्लेक्सिटी का नया कॉमेट ब्राउजर में क्या है? पिछले महीने परप्लेक्सिटी ने कॉमेट ब्राउजर लॉन्च किया। यह क्रोमियम फ्रेमवर्क पर बनाया गया है और क्रोम एक्सटेंशन व बुकमार्क को सपोर्ट करता है। इसमें उत्पादकता, शोध और कार्य प्रबंधन के लिए एआई-संचालित टूल भी है। कॉमेट में एआई साइडबार असिस्टेंट है, जो लेखों का सारांश तैयार कर सकता है। ईमेल ड्राफ्ट कर सकता है। शेड्यूल मैनेज कर सकता है और ब्राउजर में सीधे कार्यों को ऑटोमेट कर सकता है।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच बैठक , मुक्त व्यापार समझौते को मिलेगी रफ्तार

ब्रसेल्स (एजेंसी)। इस हफ्ते ईयू प्रतिनिधिमंडल के भी नई दिल्ली आने की उम्मीद है ताकि व्यापार वाताओं को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि, अभी भी दोनों पक्षों के बीच इस्पात, ऑटोमोबाइल और गैर-शुल्कीय अवरोधों जैसे क्षेत्रों में मतभेद बने हुए हैं। गोयल की यह यात्रा हाल ही में हुई छह से 10 अक्तूबर की 14वें दौर की वार्ता के बाद हो रही

है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27 से 28 अक्तूबर तक ब्रसेल्स में रहेंगे। यहां वह भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए उच्च-स्तरीय बैठकें करेंगे। यह जानकारी रविवार को भारतीय वाणिज्य मंत्रालय ने दी। इस समझौते के लिए बातचीत की अंतिम समय सीमा नजदीक आ रही है और गोयल का यह दौरा समझौते में राजनीतिक ऊर्जा और रफ्तार लाने की कोशिश है। मंत्रालय के मुताबिक, गोयल अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान यूरोपीय आयोग के कार्यकारी उपाध्यक्ष और व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक से मुलाकात करेंगे और उनकी यह मुलाकात समझौता वार्ता के अंतिम चरण की दिशा और रणनीति तय करने में अहम होगी। ईयू की मांगें और भारत के लिए अवसर ईयू चाहता है कि भारत ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण, शराब, वाइन, मांस और पोल्ट्री पर शुल्क में बड़ी कटौती करे और एक मजबूत बौद्धिक संपदा व्यवस्था बनाए। अगर यह समझौता पूरा होता है, तो भारत के तैयार कपड़े, दवाइयां, इस्पात, पेट्रोलियम उत्पाद और इलेक्ट्रिकल मशीनरी जैसे निर्यात उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में और प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। ब्यूरो बातचीत है निर्णायक मोड़ पर वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, यह यात्रा भारतझ्रईयू एफटीए वाताओं के महत्वपूर्ण चरण में हो रही है, जहां दोनों पक्ष एक संतुलित, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते तक पहुंचने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं।

मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति मिलेई की पार्टी को मिली बड़ी जीत

ट्रंप प्रशासन को मिली खुशखबरी

ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना) (एजेंसी)। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जावियर मिलेई की पार्टी ने मध्यावधि चुनावों में निर्णायक जीत हासिल की है, जिससे उनकी कांग्रेस में स्थिति मजबूत हो गई है। इस जीत के साथ मिलेई अपने मुक्त बाजार सुधार लागू करने में सक्षम होंगे और उन्हें अमेरिका से आर्थिक समर्थन मिलने की उम्मीद है। विपक्ष को चुनाव में केवल 31 फीसदी वोट मिले। जबकि मिलेई की पार्टी ने 40 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जावियर मिलेई ने रविवार को संपन्न मध्यावधि चुनावों में प्रमुख जिलों में निर्णायक जीत हासिल की। इस जीत के साथ उन्हें कांग्रेस (संसद) में मजबूती मिली है। इससे वह अपने सख्त मुक्त बाजार सुधारों को लागू कर पाएंगे। उन्हें अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से अरबों डॉलर के

समर्थन की उम्मीद है। मिलेई की पार्टी ने हासिल किए 40 फीसदी वोट स्थानीय मीडिया और चुनाव प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक, मिलेई की पार्टी 'ला लिबर्टाड अवांजा' ने राष्ट्रीय चुनावों में 40 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए। पार्टी को निचले सदन के लगभग आधे सदस्यों को दोबारा चुनने में सफलता मिली। सीनेट के एक तिहाई सदस्यों के चुनाव में भी उनकी पार्टी ने आठ प्रांतों में से छह में जीत दर्ज की। इसके मुकाबले वामपंथ की ओर झुकाव रखने वाले विपक्ष ने केवल 31 फीसदी वोट हासिल किए, जिसे विश्लेषकों ने कई वर्षों में गठबंधन का सबसे कमजोर प्रदर्शन बताया। जीत के बाद क्या राष्ट्रपति मिलेई ने क्या कहा? मिलेई ने जीत के बाद कहा कि उनकी पार्टी निचले सदन में 37 सीट से बढ़कर 101 सीट और सीनेट में 14 और सीट जीतकर कुल 20 सीट हासिल कर चुकी है। इस मजबूत स्थिति से उनके लिए राष्ट्रपति वीटो लागू करना, महाभियोग रोकना और आगामी महीनों में कर और श्रम सुधार लागू करना आसान होगा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।